संपादकीय

कर्ज के भंवर में बैंकों की नैया

राष्ट्र की सेवा में समर्पित

प्रभात अर्जुन

वर्ष : 5, अंक : 7
पृष्ठ : 8
बुधवार 1-15 जून 2016
मूल्य : ₹2.00

हिन्दी पाक्षिक

स्वास्थ्य जगत : हर दिन न खाएं ये फूड्स ...

धर्म आस्था : ...शनि भक्तों के लिए विशेष फलदायी है शनि अमावस्या

फरीदाबाद

आर.एन.आई. नं. HARHIN/2012/41589

संपादक मनोज भारद्वाज

राज्य सभा चुनाव : हरियाणा में हार के बाद कांग्रेस में बवाल, हुड्डा ने लगाया साजिश का आरोप

हरियाणा। कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा ने हरियाणा में राज्य सभा चुनावों में सुभाष चंद्रा की जीत के बाद साजिश का आरोप लगाया है। उन्होंने दोबारा चुनाव की मांग की है। हुड्डा ने कहा कि आर के आनंद को हराने के लिए साजिश रची गई। हमारे विधायकों को उनके पेन इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी गई। उन्हें वोटिंग की जगह पर बदल दिया गया। आर के आनंद को इसके खिलाफ शिकायत दर्ज करानी चाहिए। हरियाणा में शनिवार को हुए राज्य सभा चुनावों में कांग्रेस के 14 वोट रिजेक्ट हो गए थे। इसके चलते आनंद को हार का सामना करना पड़ा था। हुड्डा ने कहा कि 14 वोट जो रिजेक्ट हुए हैं उसमें से 12 आरके आनंद को डाले गए थे। इसकी जांच हो। इलेक्शन पीटिशन करना चाहिए तो 24 घंटे में पता चल जाएगा। एक ही पेन से 12 वोटिंग हुई हैं तो षड़यंत्र रचा गया है भाजपा का और इलेक्शन मशीनरी भी शामिल है तो खतरे की घंटी है। इधर,

हरियाणा के कांग्रेस प्रभारी बीके हरिप्रसाद ने कहा कि वे वे चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराएंगे। आरके आनंद निर्दलीय उम्मीदवार थे और इनेलो व कांग्रेस ने उनका समर्थन किया था। उनके सामने सुभाष चंद्रा खड़े जिनके पास भाजपा का सहयोग था। कांग्रेस के 14 वोट खारिज होने के बाद चंद्रा जीत गए। चुनाव अधिकारियों का कहना है कि वोट इसलिए खारिज हुए क्योंकि कांग्रेस विधायकों ने गलत पेन का प्रयोग किया। वहीं जिन 12 विधायकों के वोट खारिज हुए वे हुड्डा समर्थक है। आनंद की हार के बाद सूत्रों का कहना है कि हुड्डा से इस संबंध में जवाब मांगा गया है।

पंजाब सीमा पर दो पाकिस्तानी तस्कर ढेर, एक को बीएसएफ ने पकड़ा

पंजाब। पंजाब के फल्जिका में भारत-पाक सीमा पर बीएसएफ के जवानों ने तस्करी की कोशिश को नाकाम करते हुए दो पाकिस्तानी तस्करों को मार गिराया और उनकी गोलीबारी में एक तस्कर घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शनिवार (11 जून) देर रात करीब दो बजे की है, जब सीमा सुरक्षा बल के कर्मियों ने सोहना सीमा चौकी

अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय सीमा पर संदिग्ध हलचल महसूस की। उन्होंने घुसपैठियों को ललकारा। एक अधिकारी ने बताया, 'दो पाकिस्तानी नागरिक मारे गए और एक अन्य घायल हो गया जिसे पकड़ लिया गया है। उनके पास से मादक पदार्थ के 15 पैकेट बरामद हुए हैं और आशंका है कि ये पैकेट हेरोइन के हैं। उनके पास से हथियार और गोलाबारूद भी जब्त किया गया है। ऐसा लगता है कि यह सीमा पार से मादक पदार्थ की तस्करी का मामला है।' अधिकारियों ने बताया कि मारे गए दोनों तस्करों के शव मिल गए हैं और इलाके में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

दिग्विजय सिंह ने उड़ाया पीएम मोदी की इंग्लिश का मजाक

दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार (10 जून) को अपने पांच देश के दौरे से भारत लौटे हैं। दौरे के दौरान

अमेरिका की संसद में पीएम मोदी ने इंग्लिश में भाषण दिया था। इसी मुद्दे पर अब कांग्रेस महासचिव दिग्विजय सिंह ने हमला बोला है। दिग्विजय सिंह ने 10 जून को ही एक ट्वीट किया जिसमें उन्होंने पीएम मोदी का एक पुराना भाषण पोस्ट करते हुए लिखा, 'मोदी जी का पहले का अंग्रेज़ी में भाषण और अब का। कहना पड़ेगा काफ़ी परिवर्तन है।'

हरियाणा में बड़ा उलटफेर

14 कांग्रेसी वोट खारिज होने से जीते बीजेपी समर्थित सुभाष चंद्रा

दिल्ली/हरियाणा। जी मीडिया ग्रुप के प्रमुख सुभाष चंद्रा राज्यसभा चुनाव जीत गए हैं। उनकी यह जीत चौंकाने वाली रही क्योंकि उनके पास पर्याप्त संख्याबल नहीं था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कांग्रेस के 14 वोट्स कैंसल होने की वजह से सुभाष चंद्रा जीत गए।

बीजेपी ने डॉ चंद्रा को सपोर्ट किया था। वे निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतरे थे। मीडिया में आई खबर के मुताबिक, उन्हें कुल 29 वोट मिले। हरियाणा के राज्यसभा चुनाव के नतीजों का एलान शनिवार शाम को ही होना था, लेकिन सत्ताधारी बीजेपी के अलावा इंडियन नेशनल लोकल दल और कुछ निर्दलीय उम्मीदवारों की आपत्ति की वजह से नतीजे आने में देरी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस विधायक रनदीप सिंह सुरजेवाला का वोट कैंसल हो गया क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर अपना दिया गया वोट जाहिर कर दिया था। बता दें कि डॉ चंद्रा ने मई में जी मीडिया के डायरेक्टर और नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया था।

गणतंत्र दिवस के तरह ही स्वतंत्रता दिवस मनाएगी मोदी सरकार, लेकिन नहीं निकलेगी परेड

नई दिल्ली। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एनडीए सरकार एक बड़ा कार्यक्रम बनाने की योजना बनी रही है। चार रात चलने वाले इस सामारोह के माध्यम से पूरे देश में देशभक्ति का भाव जगाया जाएगा साथ ही आम लोगों को भी इस सामारोह से जोड़ने की कोशिश की जाएगी। पिछले साल की तरह ही 1 अगस्त से देश भर में सर्विस बैंड और रक्षा उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी जो 14 अगस्त तक चलेगी। 15 अगस्त को प्रधानमंत्री लाल किले से तिरंगा फहराएंगे और भाषण देंगे। इस बार बीजेपी सरकार स्वतंत्रता दिवस को गणतंत्र दिवस की तरह ही मनाने की योजना बना रही है। केंद्र सरकार इस सामारोह में राज्य सरकार को भी जोड़ने का प्रयास कर रही है। कोशिश है कि स्वतंत्रता दिवस पर बिना सैन्य परेड के राज्यों पर आधारित उसी प्रकार की झांकी निकाली जाए जैसी गणतंत्र दिवस पर निकाली जाती है। सरकारी पत्र के अनुसार, ÷ गणतंत्र दिवस 2016 के सामारोह के तर्ज पर ही इस सामारोह में राज्यों की झांकी और लोगों की बड़ी मात्रा में भागीदारी का प्रयास किया जाएगा।÷ अगस्त 12 से 15 तक राज्य सरकारों को फूड फैस्टिवल और हैंडिक्राफ्ट स्टॉल लगाने की अनुमति दी जाएगी। इसके अतिरिक्त सूचना एंव प्रसारण मंत्रालय की योजना है कि इन दिनों पर देशभक्ति की फिल्मों को स्क्रीन के माध्यम से लोगों को दिखाया जाए। रक्षा मंत्रालय जो मुख्य तौर पर गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस सामारोह का आयोजन कराता है। उनकी योजना है कि कनाट प्लेस और दिल्ली स्थित सरकारी इमारतों और प्रमुख चौराहों को इस मौके पर सजाया जाए हालांकि सुरक्षा कारणों से लाल किले के पास हवाई परेड और राजपथ पर आतिशबजी की इजाजत नहीं दी गई है। -

राज्य सभा चुनाव : कांग्रेस से ट्रिपल फायदे में रही BJP, UPA से ज्यादा हुए NDA के सांसद

नई दिल्ली। लोकसभा में भाजपा से पिछड़ने के बाद अब संसद के ऊपरी सदन राज्यसभा में कांग्रेस कमजोर पड़ती जा रही है। शनिवार को राज्यसभा की 27 सीटों के चुनाव के बाद अब राज्य सभा में कांग्रेस के 59 सांसद रह गए हैं। वह पहली बार राज्य सभा में 60 सांसदों से नीचे आई है। वहीं भाजपा ने पहली बार 50 का आंकड़ा पार कर लिया। भाजपा के अब 53 सांसद हो गए। शनिवार को नतीजों में सपा के 7, बसपा के 2, भाजपा के 10, कांग्रेस के छह सांसद चुने गए। इनके अलावा दो भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार भी राज्यसभा पहुंच गए। पिछले महीने राज्य सभा की 57 सीटें खाली हुई थी, इनमें से 30 पर सांसद निर्विरोध चुने गए थे। निर्विरोध चुने गए 30 सांसदों में से 11 एनडीए, 5 यूपीए, 4 अन्नाद्रमुक, 3 बीजद, दो जेडीयू, दो राजद, दो द्रमुक सांसद हैं। इन चुनावों के बाद राज्य सभा के समीकरणों में खासा बदलाव आ गया है। कांग्रेस के गठबंधन यूपीए की तुलना में भाजपा नेतृत्व वाला एनडीए बढ़त में आ गया है। अब एनडीए के 74 जबकि यूपीए के 71 राज्य सभा सांसद हैं। एनडीए के पांच सांसद बढ़े हैं जबकि यूपीए के तीन घटे हैं। वहीं 89 सांसद ऐसी पार्टियों के हैं जो इन दोनों गठबंधन से जुड़ी हुई नहीं हैं। इन सांसदों में 19 सपा के, 12 जेडीयू-राजद के, 12 तृणमूल कांग्रेस के, 13 अन्नाद्रमुक, 6 बसपा, 8 सीपीएम, 7 बीजद और 5 द्रमुक के हैं। इन चुनावों के बाद ताकत बढ़ने से भाजपा को उम्मीद है कि मानसून सत्र में वह जीएसटी बिल को पास करा पाने में सफल रहेगी। पश्चिम बंगाल में चुनाव जीत दोबारा सत्ता में आने वाली तृणमूल कांग्रेस ने भी जीएसटी पर समर्थन का ऐलान किया है।

'जन-धन योजना के तहत खोले गए 21 करोड़ 81 लाख खाते'

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई जन-धन योजना के फलस्वरूप देश के 21 करोड़ 81 लाख आम लोगों द्वारा बैंक बचत खाते खुलवाए जा चुके हैं जबकि इससे पूर्व आजादी के 67 वर्षों बाद तक यह संख्या केवल मात्र 2 करोड़ उन खाताधारकों में ही सिमटी रही जोकि साधन सम्पन्न थे।

यह उद्गार केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री राधामोहन सिंह ने आज यहां स्थानीय सैक्टर-12 स्थित हुडा कन्वेंशन सैन्टर के सभागार में केन्द्र की मोदी सरकार के शानदार दो वर्ष पूरा होने पर आयोजित जिला के पंचायती राज संस्थाओं के नवनिर्वाचित जन प्रतिनिधियों की एक बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए प्रकट किए। बैठक में केन्द्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री बाबुल सुप्रियो तथा केन्द्रीय सामाजिक न्याय व अधिकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर प्रमुख रूप से उपस्थित थे। श्री राधामोहन सिंह ने कहा कि मोदी सरकार के बनने से पहले देश के लगभग 90 प्रतिशत लोगों के परिवार की कोई सुरक्षा गारन्टी नहीं थी जोकि अब प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा बीमा योजना तथा अटल पैंशन योजना जैसी स्कीमों में सुनिश्चित हुई है। देश में 6 करोड़ 75 लाख ऐसे छोटे कर्मचारी हैं जोकि प्राय: सड़क किनारे त्रिपाल आदि लगाकर ही अपना काम धंधा करते हैं। उनके लिए लगभग 3 हजार करोड़ रूपए मंजूर करके ऋण मुद्रा योजना शुरू की गई है। इसके अन्तर्गत 3 करोड़ 49 लाख लोगों को बिना गारन्टी ऋण सुविधा दी गई है ताकि वे अपने काम धंधे को बढ़ा सकें। उन्होंने जनप्रतिनिधियों का आह्वान किया कि वे जागरूक रह कर अपने क्षेत्र से जुड़े लोगों को सरकार की कल्याणकारी सुविधाओं का लाभ दिलवाएं। केन्द्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो ने कहा कि हमारे देश की परम्परा है कि अधिकांश किसान का बेटा कृषि के व्यवसाय को ही अपनाता है। सभी किसानों को चाहिए कि वे सायल हैल्थ कार्ड की सुविधा को अपनाकर अपनी जमीन की उर्वरा क्षमता व अपनी आमदनी में भी इजाफा करें। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा तय की गई मुहिम के तहत 2022 तक सबके लिए घर स्कीम के तहत लगभग 2 करोड़ घर बनाए जायेंगे।

निशुल्क हृदय जांच शिविर का आयोजन

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। रेजिडेंट वेलफेयर एसो. सेक्टर-28 मदर डेयरी पाकेट द्वारा अपना पार्क में क्यूआरजी सैंट्रल अस्पताल के सहयोग से एक निशुल्क हृदय जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन भाजपा के जिलामंत्री देवेन्द्र चौधरी ने रिबन काटकर विधिवत रुप से किया। शिविर में अस्पताल के डा. गजेंद्र गोयल, डा. शाह जफर, डा. परवेज व उनकी टीम ने करीब 100 मरीजों के हृदय की जांच की और उनकी ईसीजी, ईको करके उन्हें निशुल्क परामर्श दिए। इससे पूर्व शिविर में पहुंचने पर देवेन्द्र चौधरी का एसो. के सदस्यों ने फूलों का बुके भेंट करके स्वागत किया। इस मौके पर रजिडेंट वेलफेयर एसो. के प्रधान झंडू सिंह व सचिव टी.सी.आहुजा ने संयुक्त रुप से कहा कि उनकी एसो. समय-समय पर इस प्रकार के स्वास्थ्य जांच शिविर लगाती रहती है, जिससे लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचा जा सके। इस मौके पर एसो. के उपाध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, महासचिव राजेश चोपड़ा, बी अनथोनी, दिनेश मंगला, रमेश कुमार, संदीप चपराना, मनीष कुमार, विरेंद्र सिंह, शिव कुमार, राजेश सिंह, देशपाल सिंह सहित अनेकों गणमान्य लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

लोगों को किया स्वच्छता के प्रति जागरूक

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत फरीदाबाद नगर निगम के सहयोग में एक NGO सफाई अभियान सेवा समिति के अध्यक्ष असलम द्वारा Manufacturers

Association Faridabad के साथ मिलकर दिनांक फरीदाबाद के सेक्टर-4,3,6, में जाकर वहां के लोगो को मोटर साइकिल रैली, बैनरों एवं स्पीकर के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें स्वछता शपथ दिलाई और उन के साथ मिलकर वहां सफाई अभियान भी चलाया। अनिल मेहता (अधीक्षण अभियंता, फरीदाबाद नगर निगम) द्वारा फरीदाबाद के नागरिको से अनुरोध किया कि अपने आस-पास् किसी तरह का कूड़ा न फेके और फरीदाबाद को स्वच्छ बनाने में अपना सहयोग दे, तथा अपने आस पास् के कूड़े जानकारी मोबाइल नंबर 9599780982 पर Whatsapp द्वारा भेजे

खेल से बढ़ता है आपसी भाईचारा : सीमा

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। खेल ही वह माध्यम है जिससे हम आपसी भाईचारा व सौहार्द को बड़ा सकते है यह उदगार मुख्य संसदीय सचिव श्रीमती सीमा त्रिखा ने राजा नाहर सिंह फुटबॉल मैदान पर 15 दिन से चल रहे 16वें फुटबॉल समर कैंप के समापन अवसर पर कहे। इस कैम्प का आयोजन पंजाब स्पोर्टस क्लब द्वारा किया गया था। श्रीमती सीमा त्रिखा ने पंजाब स्पोर्टस क्लब के सदस्यों का आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने फुटबाल को जीवित रखने का जो काम किया है वह वाकई में प्रशंसा के योग्य है। इस मौके पर मुख्य संसदीय सचिव श्रीमती सीमा त्रिखा ने पंजाब स्पोर्टस क्लब को 5 लाख रूपये की राशि देने की घोषणा की ताकि फुटबाल मैदान को संवारा जा सके।

भाजपा सरकार में दलित समाज का हो रहा है शोषण : अशोक तंवर

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। वीर एकलव्य दल द्वारा नगर निगम सभागार में दलित महिला सफाई कर्मी सशिक्तरण स मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मु यातिथि प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी अशोक तंवर व विशेष अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सफाई आयोग के सचिव टीआर मीना उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष अशोक तंवर ने कहा कि भाजपा सरकार केवल जुमलों की सरकार है। भाजपा के राज में

सबसे ज्यादा दलित व मजदूर वर्ग के लोगों का उत्पीडन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में अपने हकों के लिए पिछले 6 महीने से वीर एकलव्य दल के नेतृत्व में प्रदर्शन करने को मजबूर है और भाजपा सरकार बाल्मीकि समुदाय के लोगों पर लाठीचार्ज कर उनकी आवाज को दबाने का काम कर रही है। एक तरफ तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को स्वच्छ व सुंदर बनाने का दावा करते हैं वहीं उनकी सरकार बाल्मीकि व दलित समाज के लोगों पर अत्याचार व लाठीचार्ज कर उनका दमन कर रहे हैं। श्री तंवर ने कहा कि कांग्रेस ने सदैव दलित व पिछडे समाज की लड़ाई लडी है। उन्होंने वीर एकलव्य दल के प्रदेशाध्यक्ष जितदें चंदेलिया द्वारा सौंपे गए मांगपत्र के मुद्दों को विधानसभा व लोकसभा में उठाने का भी वायदा किया। श्री तंवर ने कहा कि वीर एकलव्य दल के बैनर तले पिछले 6 महीनों से अपनी मांगों व नौकरी से निकाले गए लोगों को भाजपा सरकार द्वारा पक्की नौकरी दी जाए तथा लाठीचार्ज में दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की जाए। इस मौके पर राष्ट्रीय सफाई आयोग के सचिव टी.आर. मीना ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि दलित समुदाय के लोगों की आवाज को दबने नहीं दिया जाएगा।

जाटों पर बेवजह दबाव न बनाए सरकार : विकास

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। जाट आंदोलन के नाम पर भाजपा सरकार द्वारा जाट समुदाय के लोगों पर बनाए जा रहे नजायज दबाव के विरोध में आज फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र के सैकड़ों युवाओं ने कांग्रेस के वरिष्ठ जाट नेता विकास चौधरी के नेतृत्व में एक बैठक का आयोजन कर सरकार के इस कुकृत्य की कड़े शब्दों में निन्दा करते हुए एक स्वर में कहा कि सरकार जानबूझकर इस तरह की औछी हरकत कर जाटों को दबाने का काम कर रही है, जबकि जाट समुदाय शांतिपूर्ण धरना देकर अपनी बात सरकार के समक्ष रख रहे है तथा जाटों की ऐसी कोई मंशा नहीं है कि किसी भी प्रकार का हिंसक आंदोलन हो

क्योंकि जाट समुदाय जाट एक अमन पसंद व देशभक्त कौम है, जिन्होंने हरियाणा के विकास में अहम भूमिका निभाई है, चाहे बॉर्डर पर देश की आन के लिए सीने पर गोली खाने की बात हो या खेल के मैदान मैडल लाने की बात हो, हर क्षेत्र में हरियाणा के जाटों ने देश व प्रदेश का नाम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। ऐसे में जाट समुदाय हिंसक होकर हरियाणा को बर्बाद कैसे कर सकता है इसलिए सरकार भी जिला प्रशासन से ऐसी कोई हरकत न करवाए कि जिससे कि जाट की भावनाएं आहत हो। बैठक में मानव रचना अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के छात्र हरजीत डागर द्वारा अपनी फेसबुक एकाउंट पर जाटों के पक्ष में डाली गई एक पोस्ट के विरोध में स्थानीय पुलिस द्वारा सरकार के दबाव में मुकदमा दर्ज करने का मुद्दा छाया रहा तथा बैठक में उपस्थित युवाओं ने विकास चौधरी के समक्ष छात्र हरजीत डागर को बेकसूर बताते हुए तमाम पहलुओं की जानकारी दी, जिस पर विकास चौधरी ने युवाओं से शांति व भाईचारा कायम रखने की अपील करते हुए जिला प्रशासन से छात्र हरजीत डागर मामले की निष्पक्ष जांच कर उन्हें न्याय देने की मांग की।

उन्होंने एक बार फिर युवाओं से अपील की कि वह फरीदाबाद की एकता व आपसी भाईचारे की मिसाल को कायम रखे। बैठक में रोहताश सौरोत, नीरज सौरोत, सोनू बडगुर्जर, सुखविन्द्र रोज, सोनू मलिक, सतीश राणा सहित अनेकों युवा मौजूद थे।

जोनल रिटर्निंग अधिकारी ने ली कार्यकर्ताओं की मीटिंग

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। युवा कांग्रेस के जोनल रिटर्निंग अधिकारी जयेन्द्र रमौला ने कहा है कि युवा कांग्रेस चुनावों का उद्देश्य उपेक्षितों को सशक्त बनाना और उनकी उम्मीदों का प्रतिनिधित्व करने वाले नेताओं की तलाश करना है। महिलाओं एवं कम प्रतिनिधित्व वाले अन्य समुदायों की भागीदारी को बढ़ाने के लिए कमेटियों और विशेष आउटरीच कार्यक्रमों में आरक्षण का विशेष प्रावधान किया गया है। श्री रमौला आज सेक्टर-16 स्थित सर्किट हाऊस में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। श्री जयेन्द्र ने कहा कि 1 जून से मैम्बरशिप के लिए आवेदन भरने का काम आरंभ हो गया है और इस कड़ी के तहत युवा कांग्रेस से जुड़ने का युवाओं का सिलसिला भी शुरु हो चुका है। उन्होंने कहा कि उन्हें फरीदाबाद, पलवल, गुडगांवा, रेवाडी, महेन्द्रगढ़ व मेवात जिले की जिम्मेवारी सौंपी गयी है और इन क्षेत्रों में जाकर वह युवाओं को चुनाव संबंधी सभी मापदंडों की जानकारी देंगे। श्री रमौला ने कहा कि इन चुनावों में कई तरह के नये नियम व कानून बनाये गये है जिनमें आईवाईसी के सदस्य वो ही बन सकते है जो भारत का नागरिक

हो और उसकी उम्र 18 से 35 वर्ष के बीच हो। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव राजेन्द्र शर्मा, बलजीत कौशिक, एस.एल.शर्मा, महेन्द्र शर्मा, प्रदेश सचिव किरण गोदारा, प्रदेश सचिव सुमित गौड, दिनेश चंदीला, संगठन सचिव ललित भडाना, प्रदेश सचिव गजेन्द्र सिंह, प्रदेश सचिव सत्यनारायण, प्रदेश सचिव संतराम मेधवाल, रिंकू चंदीला लोकसभा अध्यक्ष, बल्लभगढ युवा अध्यक्ष नरेश गोदारा, डा. सौरभ शर्मा, राजेश खटाना, राजेश भडाना, मोनू ढिल्लो, रोहित नागर, आकाश पण्डित, सहित अन्य कांग्रेसी उपस्थित थे।

खिलाड़ियों के लिए सम्मान समारोह आयोजित

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। खेलों को बढ़ावा देने में भारतीय जनता पार्टी अपनी अहम भूमिका निभा रही है यह उदगार इण्डियन स्पोर्टस संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील गुप्ता ने गांव अरूआ में प्रदेश व जिला स्तर के खिलाडियों के लिए आयोजित सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए कहे। इस सम्मान समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में इण्डियन स्पोर्टस संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किशन ठाकुर भी मौजूद रहे। इस अवसर पर ग्रामीणों ने फूल मालाओं से सुनील गुप्ता व किशन ठाकुर का जोरदार स्वागत किया। इस कार्यक्रम का आयोजन महाराणा प्रताप राजपूत सेवा समिति के उपप्रधान रमेश डाक्टर द्वारा किया गया था। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील गुप्ता ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने देश के खिलाडियों के लिए जो योजनाएं क्रियान्वित की है उससे देश के खिलाडी लाभ उठा रहे है और आज हमारे भारत का नाम विदेशों में भी रोशन कर रहे है। इस सम्मान समारोह में मुख्य रूप से सुभाष सरपंच मोमदीनपुर, पप्पी सरपंच चांदपुर, सुरेन्द्र सिंह बोहरा सरपंच कोराली, धर्मवीर सरपंच शाजहापुर, मा. ब्रगभान सरपंच फज्जीपुर, किशन पहलवान, प्रहलादन शर्मा एडवोकेट, रमन बोहरा, आनंद सिंह तोमर, खैमी ठाकुर, मुकेश राणा, देवेन्द्र गोयल, अमर सिंह मौठकुा, ताराचंद साहपूर, लेखराम चौहान, केशव प्रधान सहित कौराली, चांदपुर, मोमदीनपुर, शाजहापुर, फज्जीपुर, अरूआ, मौठुका से सैकडों ग्रामीण उपस्थित थे।

सिटी प्रेस क्लब ने पत्रकारों को बांटे लैपटॉप

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री मनोहर मेरा (कृष्ण) ही दूसरा रूप हैं। फरीदाबाद सहित हरियाणा हमारी कर्मभूमि है, फरीदाबाद मेरा घर है और यहां के वाशिंदे मेरे परिजन एवं सगे संबंधी हैं जिनके सहयोग के लिए मैं सदैव तैयार रहता हूं। श्री गुर्जर ने यह विचार सिटी प्रेस क्लब द्वारा गोल्फ क्लब में आयोजित लैपटॉप वितरण कार्यक्रम में बेतौर मुख्य अतिथि उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। समारोह में विशेष अतिथि के तौर पर हरियाणा सरकार की मुख्य संसदीय सचिव श्रीमति सीमा त्रिखा एवं उद्योगपति एच.के.बत्तरा उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के प्रधान बिजेंद्र बंसल ने की। इस अवसर पर भाजपा के जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा एवं एडवोकेट अश्वनि त्रिखा विशेष रूप से उपस्थित थे। मंच संचालन का दायित्व क्लब के सरंक्षक

उत्तमराज ने निभाया।

श्री गुर्जर ने कहा कि शहर के विकास में पत्रकारों का विशेष योगदान रहता है। वैसे भी फरीदाबाद की मीडिया ने इस शहर के विकास में हमेशा साकारात्मक रूख दिखाया है। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए सिटी प्रेस क्लब को विशेष तौर पर बधाई का पात्र बताया। उन्होंने कहा कि सिटी प्रेस क्लब द्वारा मीडिया बंधुओं के वेलफेयर हेतु आरंभ की गई लैपटॉप वितरण योजना बहुत लाभदायक है। वैसे भी जिस तेजी से मीडिया का कार्य तकनीकी रूप धारण कर रहा है, उस दौर में पत्रकारों के लिए लैपटॉप किसी वरदान से कम नहीं है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य संसदीय सचिव सीमा त्रिखा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपने मूलमंत्र सबका साथ सबका विकास के तहत देश व प्रदेश में समुचित विकास कार्य कर रही है। मीडिया कर्मियों के बिना नेता अधूरे हैं, सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्य एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी बिना मीडिया के सहयोग से जन जन तक पहुंचाना असंभव है। नेता व पत्रकार एक दूसरे के पूरक हैं हम सभी को एक साथ मिलकर राष्ट्रहित में कार्य करने चाहिएं। इस मौके पर सिटी प्रेस क्लब की ओर से सर्वप्रथम वयोवृद्ध पत्रकार अमर नाथ बागी, राकेश चौरसिया, फाईनेंस कमेटी के चेयरमैन नवीन धमीजा, क्लब के प्रधान बिजेंद्र बंसल, उत्तम राज, वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र चौधरी ,महासचिव संजय कपूर, उपाध्यक्ष राजेश शर्मा , संगठन सचिव दीपक गौतम एवं संयुक्त सचिव शकुन रघुवंशी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर प्रधान बिजेंद्र बंसल ने क्लब हेतु भवन उपलब्ध करवाने के लिए श्री गुर्जर एवं श्रीमति त्रिखा का आभार जताया, वहीं क्लब की फाईनेंस कमेटी के चेयरमैन नवीन धमीजा ने पत्रकारों हेतु हाऊसिंग सोसायटी बनाने के लिए हरियाणा सरकार से भूमि उपलब्ध करवाने की मांग रखी। केंद्रीय मंत्री श्री गुर्जर ने सभी को आश्वासन दिया कि वह क्लब के विकास हेतु सरकार की ओर से हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाने के लिए तैयार हैं। कार्यक्रम में प्रथम चरण के अंतर्गत 25 पत्रकारों को लैपटॉप वितरित किए गए।

e-mail : mnewsdaily2008@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

शांति बनाये रखने के लिए 'शांति मार्च' निकाला

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। आम आदमी पार्टी ने सामाजिक सदभावना और शांति बनाये रखने के लिए 'शांति मार्च' निकाला। पार्टी कार्यकर्ता नई सब्जी मंडी से पैदल मार्च करते हुए मेन बाजार (ओल्ड फरीदाबाद)', मेहंदी चौक होते हुए सै. 28 फ्रूट मार्किट पर पहुंचे। वे हाथों में शांति और सदभाव की पट्टिकाएं लिए हुए थे। मार्च का नेतृत्व जिला अध्यक्ष मंजु गुप्ता ने किया। इस अवसर पर उनके

साथ लोकसभा क्षेत्र अध्यक्ष रणवीर चंदीला भी थे। शांति मार्च में पार्टी के जिला और विधानसभा क्षेत्र स्तर के सभी पदाधिकारी व सक्रिय कार्यकर्ता शामिल हुए। इनमें पार्टी के जिला युवा अध्यक्ष रविन्द्र दलाल, पूर्वांचल प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रघुवर दयाल, जिला लीगल सैल अध्यक्ष डी.के. वर्मा, जिला मीडिया प्रभारी रमेश अरोड़ा, धर्मवीर भडाना सहित सभी विधानसभाओ के अध्यक्ष, वाई के शर्मा, दिनेश भारद्वाज, विनय यादव, गीता शर्मा, सुमन वशिष्ठ, राहुल बैंसला, कैलाश वैशनव, ब्रजेश नागर आदि मौजूद थे।

पानी, सीवरेज, पार्कों के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे : देवेंद्र चौधरी

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। भाजपा के जिला महामंत्री देवेन्द्र चौधरी ने आज सेक्टर-19 कृष्णा मेडिकल सेंटर के पीछे पार्क में 7 लाख रूपये के विकास कार्यो का सेक्टर के वरिष्ठ नागरिकों के हाथों नारियल तुड़वाकर श्रीगणेश किया। इस मौके पर डा.सुरेन्द्र दत्ता,वरिष्ठ भाजपा नेता राजकुमार राज,बैजनाथ गौतम,प्रहलाद गर्ग,मंगल सिंह,चमनलाल पुरी,विजय शर्मा,छत्रपाल,राकेश सूरी व भारत भूषण गुप्ता मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर देवेन्द्र चौधरी ने कहा कि केन्द्रीय राज्यमंत्री चौ.कृष्णपाल गुर्जर अपने संसदीय क्षेत्र में सड़क,पानी,सीवरेज और पार्को के जीर्णोदार के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे है।

उन्होनें कहा कि विकास की गति का पहिया देश और प्रदेश में तेज गति से चल रहा है। देवेन्द्र चौधरी ने कहा कि फरीदाबाद को स्मार्ट सिटी की श्रेणी में लाने में जितना महत्वपूर्ण योगदान चौ.कृष्णपाल गुर्जर का है उससे भी कहीं अधिक यहां की जनता है

जिन्होनें चौ.कृष्णपाल गुर्जर को ऐतिहासिक विजयी दिलाकर दिल्ली में मंत्री की कुर्सी पर आसीन किया। देवेन्द्र चौधरी ने कहा कि आज फरीदाबाद के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य बनता है कि इसे साफ सुथरा और सुन्दर बनाने के लिए चौ.कृष्णपाल गुर्जर के कन्धे से कन्धा मिलाकर अपना सहयोग दे। उन्होनें कहा कि फरीदाबाद में आगे भी जितने पार्क है उनका सौन्दर्यकरण किया जाएगा और अधिक से अधिक हरियाली के लिए पेड़ पौधे लगाए जाएंगे ताकि लोग अपना व अपने परिवार की सेहत का ख्याल रख सकें। इस मौके पर ब्रहानन्द कौशिक,विकास जैन,विशम्भर पाराशर,सुधीर कुमार,मंदीप पाराशर,जितेन्द्र पाराशर,बंसीलाल,किशन कुमार,विनोद सिंह,नीरज शर्मा,रवि प्रकाश गुप्ता,श्री कोहली,दीनदयाल सचदेवा,ताराचन्द गोडवाल,हरीशचन्द अरोड़ा,मल्लूराम ठेकेदार,मनोहर चौहान,रामकिशन यादव,अनिल शर्मा,गिरीश गोयल,रणबीर सिंह,जयपाल राव,हरिओम गौतम,चन्द्रपाल सिंह,जगदीश चन्द वधवा,दीपक शर्मा,मोहित भारद्वाज व रोहित भारद्वाज मौजूद थे।

शमशानघाट व मंदिर में लगाए पौधे

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत के सपने को साकार करते हुए आज नैना देवी सेवा समिति दल ने डॉ. एम पी सिंह के नेतृत्व में गांव अनखीर के शमशान घाट व मंदिर में लगभग 100 पौधे लगाए। इनमें से कुछ पौधे मंदिर में और कुछ शमशान घाट में लगाए गए बचे हुए अन्य

पौधे महिलाओं को अपने घर पर लगाने के लिए वितरित किए गए। नैना देवी सेवा समिति दल के संरक्षक समाजसेवी एवं शिक्षाविद डॉ. एम पी सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्था पर्यावरण सप्ताह मना रही है और पूरे सप्ताह में शहर के विभिन्न क्षेत्रों के शमशान घाटों में पौधे लगाए जाएंगे। पौधरोपण कार्यक्रम में एडवोकेट विकास वर्मा पूर्व एएजी हरियाणा सरकार, संस्था क प्रधान बालमुकुंद गर्ग, महासचिव ओ पी शर्मा, प्रैस सचिव किशोर शर्मा, ब्रह्मर्षि समाज के बी डी कौशिक, अशोक शर्मा, नरेन्द्र शर्मा, बी डी बंसल, मुरारीलाल, चरण सिंह, करण सिंह, गम्मन, बाबू, गोपी, सतपाल, ब्रह्म विधुड़ी, बीबरती, राजे, कश्मीरी, सुरेश, ममता, मेमबती आदि मौजूद थी।

'उत्कृष्ट सेवाओं के दिए जाएंगे 25 हजार'

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। जिला नेहरू युवा केन्द्र के अध्यक्ष एवं उपायुक्त चन्द्रशेखर ने बताया कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की ओर से वर्ष 2016-17 के लिए जिला के ग्रामीण युवा मण्डलों में से किसी एक को उत्कृष्ट सेवाओं के फलस्वरूप 25 हजार रूपए का नकद पुरस्कार तथा प्रशस्ती-पत्र प्रदान किया जायेगा। श्री चन्द्रशेखर ने बताया कि इसके लिए जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे युवा मण्डल तथा महिला मण्डल प्रभारी अपना आवेदन-पत्र आगामी 30 जून 2016 तक नेहरू युवा केन्द्र जिला समन्वयक कार्यालय सैक्टर-10 फरीदाबाद में जमा करा सकते हैं।

रोटरी क्लब मिड टाउन द्वारा ई रिक्शा का शुभारंभ

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। सेक्टर 15 कम्यूनिटि सेंटर में आज रोटरी क्लब फरीदाबाद मिड टाउन और आरडब्ल्यूए सेक्टर- 15 द्वारा ई रिक्शा का शुभारंभ किया गया। जिसकी लागत तकरीबन 1 लाख 90 हजार रूपए है। इस मौके पर विधायक विपुल गोयल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता रोटरी क्लब मिड टाऊन के प्रधान जितेंद्र छाबड़ा ने की तथा संयोजन क्लब के पास्ट प्रेसिडेंट व सेक्टर 15 मार्किट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रेसिडेंट मनोहर पुनयानी व अशोक सिंह ने किया। रोटरी क्लब के प्रधान जितेंद्र छाबड़ा ने बताया कि इस ई रिक्शा के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं ने लिए निशुल्क सेवा प्रदान की जाएगी। साथ ही उन्होंने बताया कि ई रिक्शा सेवा शुरू करने का हमारा मकदस वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं को बेहतर सुविधा मुहैया कराना है।

इस ई रिक्शा की सुविधा सेक्टर - 15 के क्षेत्र वासियों को मिलेगी। वहीं विधायक विपुल गोयल ने रोटरी क्लब फरीदाबाद मिड टाउन और आरडब्ल्यूए सेक्टर- 15 के लोगों का धन्यवाद किया और रोटरी क्लब फरीदाबाद मिड टाउन और आरडब्ल्यूए सेक्टर- 15 द्वारा ई रिक्शा की शुरूआत करने पर सराहना की। उनहोने कहा कि रोटरी क्लब फरीदाबाद मिड टाउन ने समाज सेवा के कार्य और शहर की हर गतिविधियों में हमेशा बढ़-चढ़ हिस्सा लिया है।

क्लब के चार्टड प्रेसीडेंट जेपी मल्होत्रा ने रोटरी की गतिविधियों से अवगत कराया।

इस मौके पर विनय भाटिया (डीजीएनडी), बीआर भाटिया (एजी), सावरमल अग्रवाल, संत गोपाल गुप्ता, सुनील गुप्ता, प्रेजीडेंट इलेक्ट सुधीर जैनी, अनिल बहल, मुनीष शर्मा, श्री मिनोचा, रोशन गुलाटी, हरपाल, टीसी छाबड़ा, भारत बत्रा, अनु व अन्य लोग मौके पर मौजूद थे।

लोगों को पौधे लगाने का किया आह्वान

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। सेफ अरावली द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन पाली चौकी हनुमान मंदिर पर समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर पाली क्रेशर जोन के अध्यक्ष एवं आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता धर्मवीर भडाना ने पर्यावरण को बचाने के लिए लोगों से अपील की एवं अधिक से अधिक पौधे लगाने का आव्हान किया। भडाना ने कहा कि प्रदूषण रूपी राक्षस को हम तभी मार सकते है जब हम सभी अधिक से अधिक पौधे लगायेंगे और हमें इन पौधों को लगाने तक सीमित नहीं रहना बल्कि इनकी देखभाल भी अपने बच्चों की तरह करनी होगी समय पर खाद्य समय पर पानी आदि देकर इन्हे वट वृक्ष का रूप दे तभी हम प्रदूषण रूपी राक्षस से बच पायेंगे।

इस अवसर पर उन्होंने व सेफ अरावली द्वारा लोगों को वृक्ष भी वितरित किये गये और उन्हें इन वृक्षों को अधिक से अधिक सुरक्षित स्थान

पर लगाने एवं इनकी देखभाल करने का आव्हान किया।

धर्मवीर भडाना ने कहा कि अगर हम सभी इस बात की ठान ले कि हमें अपने घरो के आगे एवं अपने घरों के पार्कों में पेड़ पौधों को लगाना है एवं उनकी देखभाल करना है तो हम कई बीमारियों से भी बच सकते है। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमें कई तरह की बीमारियों से बचा सकते है सबसे पहले तो हमें साफ वायु के रूप में आक्सीजन देते है और साथ ही हमे कई औषधि रूपी दवाएं भी देते है जो कि हमारे स्वास्थ्य के लिए रामबाण होती है। इस मौके पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के जय भगवान शर्मा, डीएफओ के अधिकारी रंजीता एवं सेफ अरवली के प्रधान जितेन्द्र भडाना ने भी अपने अपने सम्बोधन में अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का आव्हान किया।

इस समारोह में मुख्य रूप से कर्नल राजेन्द्र, रधवर प्रधान, पप्पू भडाना, नरेश भडाना, पप्पू सरपंच, कर्नल ओराय, डा. अनिला, डा1 मंजीत, सौरभ, पूरम आहूजा, प्रमोद द्विवेदी, संजय राव, यशपाल, विवेक कम्बोज, जितेन्द्र भडाना, कैलाश विधूडी, अजय अरोडा, अनिल , कमल, होराम मास्टर जी, हरभजन सहगल सहित अन्य पाली क्रेशर जोन के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

बिजली कर्मचारियों ने दी चेतावनी

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। बिजली कर्मचारियों ने निगम प्रबंधकों को कड़ी चेतावनी दी है कि अगर 23 सब-डिविजनों में शामिल ओल्ड डिविजन की सब-डिविजनों में प्राईवेट स्टाफ तैनात करने का प्रयास किया तो इसका कड़ा विरोध किया जाएगा। इससे जनता को भीषण गर्मी में कोई परेशानी होगी तो इसके लिए निगम प्रबंधक व भाजपा सरकार पूरी तरह जिम्मेदार होगी। यह चेतावनी आज सर्कल कार्यालय में आयोजित हरियाणा ज्वाईंट एक्शन कमेटी पॉवर की सर्कल कार्यकारिणी की मीटिंग में दी गई। मीटिंग की अध्यक्षता सर्कल सचिव अशोक कुमार ने की और संचालन संतराम लाम्बा ने किया। इस अति महत्वपूर्ण मीटिंग में कमेटी के वरिष्ठ सदस्य एवं सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के महासचिव सुभाष लाम्बा, केन्द्रीय कमेटी नेता सतपाल नरवत, सुनील खटाना, शब्बीर अहमद, गनी आदि नेता उपस्थित थे।

मीटिंग में सरकार की बातचीत न करने व सब डिविजनों को निजी हाथों में देने की हठधर्मिता और उत्तरी निगम प्रबंधकों द्वारा कर्मचारियों क उत्पीड़न के खिलाफ 10 जून को शहर में प्रदर्शन करने व उत्तरी निगम के एम.डी. का पुतला जलाने का निर्णय लिया। सरकार की निजीकरण की नीति की पोल खोलने के लिए 7 जून को महाबीर धर्मशाला में उपभोक्ता व कर्मचारी संयुक्त सेमीनार आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

सर्कल कार्यकारिणी की मीटिंग में बोलते हुए कमेटी के सदस्य सुभाष लाम्बा ने सरका रसे 23 सब-डिविजनों को निजी हाथों में देने के फायदे सार्वजनिक रूप से बताने की मांग की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अपने चहेते ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने के लिए सब डिविजनों का निजीकरण करने पर आमादा है। उन्होंने कहा कि अगर स्टाफ व सामान कर्मचारियों को दिया जाए तो हम बहुत अच्छे से यह कार्य कर सकते हैं। मीटिंग में परमाल सिंह, रमेशचंद तेवतिया, रामनिवास, जयभगवान, लेखराज, फूलमन, बृजलाल शर्मा, रामकुमार, तोताराम आदि नेता हाजिर थे।

प्रदूषण से बचने के लिए लगाएं पौधे : गंगेश तिवारी

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महाराजा अग्रसैन भवन सैक्टर 19 में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस सम्मान समारोह का आयोजन फाईव स्टार एसोसिएशन फरीदाबाद की और से किया गया। आयोजक आनंद सिंह ने बताया की समारोह में मुख्य अतिथि युवा समाजसेवी कराटे मास्टर गंगेश तिवारी व विशिष्ट अतिथि के रूप में संदीप चपराना, कवि देवेन्द्र कुमार, एडवोकेट शाहिद खान, व रवि नागर मुख्य रूप से मौजूद थे। समारोह को सम्बोधित करते हुए गंगेश

तिवारी ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस पर हम सभी को इस बात का प्रण करना है कि हमने अपने जीवन में एक पौधा अवश्य लगाना है तो कि हमारी और हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए सुखदायक हो। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर बोलते हुए कहा कि आज महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता नही है क्योकि महिलाएं स्वयं ही आत्मनिर्भर बनकर देश, प्रदेश व समाज का उद्धार करने में अपनी अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज पुरूषों से किसी भी कदम पर पीछे नहीं है इसीलिए हम सभी को भी महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं उन्हें शिक्षित बनाने में अपनी अहम भूमिका निभानी होगी। इस अवसर पर तिवारी ने बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृर्ष प्रदर्शन करने वाली छात्राओं जिनमें अंकित पाण्डे व अदिती, खेल कूद में कामिनी सेठी, प्रियंका, लक्ष्मी को सम्मानित किया।

समारोह में एसोसिएसशनों की और से निशा सैनी को बेहतर खिलाड़ी के रूप में सम्मानित किया गया। समारोह के अंत में आयोजक आनंद सिंह ने समाजसेवी गंगेश तिवारी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मनोज सिंह, राजेश कुमार, विनोद सिंह, राकेश, राम भण्डारी, राकेश प्रसाद, एम पी पाण्डे, गजेन्द्र सिंह की विशेष भूमिका रही।

कांग्रेस में कार्यकर्ताओं को मिलता है पूरा मान-सम्मान : कुलदीप

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं आदमपुर के विधायक चौ. कुलदीप बिश्नोई ने कहा है कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होते है और पार्टी व संगठन को मजबूत करने में कार्यकर्ताओं की भूमिका अहम होती है इसलिए कार्यकर्ता को भी पार्टी द्वारा पूरा मान-सम्मान दिया जाना चाहिए और इतिहास गवाह है कि कांग्रेस पार्टी ने सदैव कार्यकर्ताओं को पूरा सम्मान दिया है। श्री बिश्नोई दिल्ली स्थित अपने निवास पर फरीदाबाद के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता आजाद भड़ाना के नेतृत्व में कांग्रेस का दामन थामने वाले मुस्लिम समाज के लोगों को पार्टी में शामिल करवाने के उपरांत संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर कुलदीप बिश्नोई में कांग्रेस में शामिल होने पर समसुद्दीन कुरैशी,

इकबाल कुरैशी, अहसान खान, ईस्माईल सैफी, हाजी सलीम मलिक, डा. यूनिस, इकबाल खान, सलीम खान, जाकिर खान, शाकिर खान, साहिल खान आदि का स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी में उन्हें पूरा मान-सम्मान दिया जाएगा। कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि भाजपा केवल और केवल जुमलों की सरकार है, केंद्र व प्रदेश सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूरी तरह से फ्लॉप शो रहा है, किसान, मजदूर, उद्योगपति, व्यापारी सहित सभी वर्गो के लोग आज भाजपा को सत्ता सौंप अपने आपको ठगा सा महसूस कर रहे है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वह पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी तत्परता से कार्य करें ताकि आने वाले चुनावों में देश व प्रदेश से भाजपा का सूपडा साफ करके कांग्रेस की सरकार बनाई जा सके।

स्वीकार करें हम दुनिया के सबसे ज्यादा नस्लवादी देश हैं

देश में ऐसा महौल है कि सभी चीजों का राजनीतिकरण किया जा रहा है चाहे वह संदेहास्पद जमीन के सौदे हों या अफ्रीकी छात्रों पर हमले। दुर्भाग्यवश, सच इसका शिकार हो रहा है। सोनिया गांधी ने कहा है कि उनके दामाद राबर्ट वाड्रा की आलोचना राजनीतिक है और कांग्रेस पार्टी जिसकी वह अध्यक्ष हैं, को निशाना बनाने के लिए है

देश में ऐसा महौल है कि सभी चीजों का राजनीतिकरण किया जा रहा है चाहे वह संदेहास्पद जमीन के सौदे हों या अफ्रीकी छात्रों पर हमले। दुर्भाग्यवश, सच इसका शिकार हो रहा है। सोनिया गांधी ने कहा है कि उनके दामाद राबर्ट वाड्रा की आलोचना राजनीतिक है और कांग्रेस पार्टी जिसकी वह अध्यक्ष हैं, को निशाना बनाने के लिए है। वाड्रा ने जमीन के कागज में बदलाव किए जब हरियाणा में कांग्रेस पार्टी सत्ता में थी। गुड़गांव में जनहित में जमीन का अधिग्रहण किया गया था और उस समय की राज्य सरकार ने इसे वाड्रा को दे दिया जिसने ये जमीन बिल्डरों के हाथ बेचकर करोड़ों बना लिए। एक निर्भीक आईएएस अधिकारी अशोक खेमका तथ्यों को सामने लाये, लेकिन उन्हें कई बार तबादले के जरिए सजा दी गई। लंदन के एक हथियार के सौदागर से उसके करीबी संबंधों के कारण यह सवाल उठा दिया गया है। कहते हैं लंदन में उसका एक मकान है। वाड्रा और सोनिया गांधी दोनों ने खबर का खंडन किया है और एक निष्पक्ष स्वतंत्र जांच के लिए कहा है। इसमें कोई अड़चन नहीं होनी चाहिए क्योंकि उनके आलोचक भी इसी की मांग कर रहे हैं। इसकी जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट को अपनी निगरानी में एक स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का गठन करना चाहिए। यह जांच सिर्फ वाड्रा की जमीन के सौदों तक सीमित रखनी चाहिए ताकि एक समय सीमा में इसे पूरा किया जा सके।

हाल ही में, महाराष्ट्र के राज्स्व मंत्री एकनाथ खडसे और उनके परिवार के जमीन के सौदे सामने आए हैं। वास्तव में जमीन राजनीतिक पार्टियों के हाथ में एक सामान बन चुकी है जिसे वह अपने सदस्यों के बीच यह अंदाजा लगाकर बांटती है कि नेताओं के प्रति उनकी कितनी वफादारी है। विचारधारा कुछ भी है, उनके बीच एक चीज समान है कि वे दोषी हैं। जब कांग्रेस सत्ता में होती है तो वह अपने सदस्यों का लाभ सुनिश्चित करती है और जब भाजपा कुर्सी पर होती है तो लाभ पाने वाले उनकी पार्टी के होते हैं। खास कर, यह राज्यों में होता है कि क्योंकि जमीन राज्य का विषय है। केंद्र इसमें राष्ट्रीय हित के नाम पर दखल देता है। लेकिन आखिर में उद्देश्य एक ही होता है, किसी भी तरह जमीन हथियाना।

अफ्रीकी छात्रों पर हमले के संदर्भ में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज का यह बचाव कि गांधी और बुद्ध के देश में नस्लवाद नहीं है, एक अजीब टिप्पणी है। वास्तव में, हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि हम दुनिया में सबसे ज्यादा नस्लवादी देश हैं और हमें ऐसे भेदभाव के खिलाफ संघर्ष के लिए कुछ ठोस करना चाहिए। अफ्रीकी छात्रों के प्रवक्ता की ओर से की गई यह टिप्पणी कि भारतीय अफ्रिकियों को नहीं चाहते हैं, में इस अर्थ में सच्चाई का अंश है कि हम लोग गोरे लोगों के प्रति दीवाने हैं। यह शायद आजादी के आंदोलन के समय भी महसूस किया गया था। जवाहरलाल नेहरु में दृष्टि थी कि उन्होंने आजादी हासिल होने के तुरंत बाद अफ्रीकी छात्रों के लिए शिक्षण संस्थाओं के द्वार खोल दिए। उन्होंने उम्मीद की थी कि उनमें से कुछ कल को गुलामी से बाहर निकल रहे अफ्रीका में ऊंचे पदों पर जाएंगे। उनका अंदाजा सही साबित हुआ कि उनमें से कुछ अपने देश में सरकार के मुखिया बने। यही नहीं, रंगभेद की नीति को लेकर दक्षिण अफ्रीका का बहिष्कार करने के लिए नेलसन मंडेला जैसे नायकों ने नेहरु को व्यक्तिगत रुप से धन्यवाद दिया। मैंने बरसों पहले जब केप टाउन में मंडेला का इंटरव्यू किया तो उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी और नेहरु उनकी प्रेरणा थे जिन्होंने बिना एक गोली चलाए ब्रिटिश शासकों को पराजित किया। भारत के प्रति लोगों का जो आदर था वह दिखाई देता था और वह वास्तविक था।

दिल्ली की सड़कों पर कांगो के छात्र की हत्या से मैं हैरान रह गया। मुझे इस पर अचरज नहीं होता कि भारतीय रंग पर ध्यान देते हैं। आज भी, हम सुंदर औरतों को मेम कह कर पुकारते हैं, जिसका शाब्दिक अर्थ होता है गोरी। गोरे आदमी को खुश करने के लिए हम हद से बाहर चले जाते हैं और काले लोगों को नकारते हैं। यह अंग्रेजों के समय से है जब गोरे हम पर शासन करते थे। मुझे उन दिनों की एक घटना की याद आती है जब मैं लाहौर के फोरमैन क्रिश्चियन कालेज में पढ़ रहा था। एक दक्षिण भारतीय प्रोफेसर ने शिकायत थी कि उसके साथ काम करने वाले एक गोरे की पत्नी जब सामने से गुजरी तो लोगों ने झुक कर उसे सलाम किया और जब उस प्रोफेसर की पत्नी नजदीक में थी तो किसी ने ध्यान तक नहीं दिया। लगता है हिंदु समाज में रंग को लेकर भेदभाव प्राचीन काल से है। संत इसके बारे में सचेत थे और भगवान कृष्ण को काला बताते थे। लेकिन यह तर्क हिंदुओं की सोच में कोई जगह नहीं बना पाया। आज तक, वह रंग को लेकर सबसे ज्यादा सचेत रहने वाला समुदाय है। लगता है आर्थिक खुशहाली भी कुछ अंतर लायी है। गोरे लोगों के प्रति आदर का एक कारण यह भी हो सकता है कि पश्चिम आर्थिक रूप से विकसित हो गया। लेकिन सच्चाई यही है कि 150 साल तक गोरों की गुलामी ने हमारे अंदर हीन भावना भर दी है।

150 साल के अंग्रजी शासन का इतिहास भी कुछ इस तरह लिखा गया कि हमने अपने ऊपर विश्वास करना छोड़ दिया। मैं जब लंदन में उच्चायुक्त था तो कई अच्छे ओहदे वाले अंग्रेज पूछते थे कि क्या यह सच है कि लोग चाहते हैं कि वे वापस आएं। मैंने उनसे कहा कि हमने जिस तरह सभी चीजें गड़बड़ कर दी हैं कि लोग हताश हो गए हैं और इसके कारण वे सोचने लगे हैं कि अंग्रेजों के समय हालत अच्छी थी। इसका मतलब यह नहीं है कि वे चाहते हैं कि अंग्रेज वापस आएं। अंग्रेज देश में राज करने वाले कई शासकों में से एक थे। उन्होंने कुछ अच्छा या कुछ खराब, या दोनों किया, इसका फैसला तो भारत के लोग करेंगे। एक तरह से उन्होंने यह किया भी है, क्योंकि आजादी के बाद उन्होंने राष्ट्रपति प्रणाली नहीं अपनाई, वह संसदीय प्रणाली अपनाई जिसे अंग्रेज व्यवहार में लाते थे। यह 70 साल पहले की बात है। और आज यह हम महसूस करते हैं कि शायद राष्ट्रपति शासन प्रणाली बेहतर होती क्योंकि सत्ता में आने वाला व्यक्ति अपनी सरकार का भविष्य ज्यादा सुरक्षित माहौल में और एक निश्चित अवधि के लिए बेहतर ढंग से तय करता। इसका अर्थ होता पारदर्शिता और यह जमीन के सौदों जैसे घोटालों और नस्लीय भेदभाव को कम करता।

आणविक गुत्थी

परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह यानी एनएसजी की सदस्यता के लिए स्विटजरलैंड के समर्थन की स्वीकृति से निस्संदेह भारत का पलड़ा कुछ भारी हुआ है। अभी तक स्विटजरलैंड और मेक्सिको इस समूह में भारत की सदस्यता का इसलिए विरोध करते रहे हैं कि उसने परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्विटजरलैंड से मेक्सिको जाएंगे और उम्मीद है कि वहां से भी भारत को समर्थन मिल जाएगा। अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और फ्रांस पहले से भारत का समर्थन करते रहे हैं।

अब बड़ी अड़चन केवल चीन है, जो भारत को एनएसजी की सदस्यता का खुला विरोध करता रहा है। वह पाकिस्तान को इसका सदस्य बनाना चाहता है। करीब बयालीस साल पहले भारत ने पहला परमाणु परीक्षण किया तब आणविक तकनीक पर नियंत्रण के मकसद से एनएसजी का गठन किया गया था। फिलहाल अड़तालीस देश इसके सदस्य हैं और नए देश को सदस्यता देने के लिए इन सभी की मंजूरी आवश्यक है। भारत ने सदस्यता के लिए आवेदन कर दिया है, जिस पर अगले दो दिनों में विचार किया जाना है। फिर इस महीने के अंतिम सप्ताह में यह प्रस्ताव स्वीकृति के लिए सदस्य देशों के सामने रखा जाना है। इसलिए भारत एनएसजी के तमाम सदस्य देशों को अपने पक्ष में करने का प्रयास कर रहा है। दरअसल, जलवायु परिवर्तन के चलते पैदा हुई स्थितियों में भारत के लिए पेट्रोलियम पदार्थों पर अपनी निर्भरता घटाना जरूरी हो गया है। इसके लिए एनएसजी की सदस्यता मिले बगैर भारत के परमाणु कार्यक्रमों को उचित गति नहीं मिल पाएगी। यही तर्क देकर वह चीन को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रहा है।

मगर चीन के अपने स्वार्थ हैं। भारत को एनएसजी की सदस्यता मिल जाने के बाद उसके स्वार्थ नहीं सध पाएंगे। एनएसजी की सदस्यता मिलने के बाद दक्षिण एशिया में भारत की ताकत बढ़ जाएगी। इससे न सिर्फ भारत की अपनी ऊर्जा जरूरतें पूरी करने में मदद मिलेगी, वह निर्बाध रूप से यूरोनियम खरीद सकेगा, बल्कि वह परमाणु हथियार संपन्न देश भी बन जाएगा। अगर वह भविष्य में परमाणु परीक्षण करता है तो उसे आर्थिक दंड का भुगतान करने की बाध्यता नहीं होगी। उसे दूसरे देशों से अत्याधुनिक परमाणु हथियार और तकनीक प्राप्त हो सकेगी। यह सब पड़ोसी चीन को गवारा नहीं। अभी तक दक्षिण एशिया में उसने अपना वर्चस्व बना रखा है। पाकिस्तान में उसने अपनी परमाणु परियोजनाएं शुरू कर रखी हैं। इस तरह वह दक्षिण एशिया के परमाणु बाजार पर अपनी पकड़ बनाए रखना चाहता है।

भारत के एनएसजी का सदस्य बन जाने के बाद उसकी स्थिति वैश्विक स्तर पर मजबूत हो जाएगी। स्वाभाविक ही इससे चीन की ताकत कुछ कम हो जाएगी। इसलिए वह पाकिस्तान को एनएसजी का सदस्य बनाने के पक्ष में है। फिर अगर भारत इसका सदस्य बन जाता है तो पाकिस्तान की सदस्यता खटाई में पड़ जाएगी। तब पाकिस्तान को सदस्य बनाने के लिए भारत की मंजूरी की जरूरत भी पड़ेगी।

दवा की कीमत

देश में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। ऐसे लोगों की तादाद बहुत बड़ी है, जो कई बार पैसे की कमी की वजह से बेहतर इलाज नहीं करा पाते और या तो बीमारी झेलते रहते हैं या फिर उनकी जान चली जाती है। इसके पीछे दवाओं की कीमतें एक बड़ी वजह है, जो कम आयवर्ग या कमजोर तबकों की पहुंच में नहीं होतीं। इसलिए समय-समय पर दवाओं की ऊंची कीमतों को लेकर काफी सवाल उठते रहे हैं। अब सरकार ने कैंसर, मधुमेह, विषाणु संक्रमण और उच्च रक्तचाप जैसी कई गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली छप्पन महत्त्वपूर्ण दवाओं की कीमतों की सीमा तय कर दी है। यह फैसला अमल में आने के बाद इन दवाओं के मूल्य में लगभग पच्चीस फीसद तक की कमी आएगी। हालांकि नर्सों में दिए जाने वाले ग्लूकोज और सोडियम क्लोराइड के इंजेक्शनों की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। लेकिन छप्पन अहम दवाओं की कीमतें कम होने से निश्चित तौर पर लोगों को थोड़ी राहत मिलेगी। हमारे यहां बीमारियों के इलाज की स्थिति ऐसी है कि एक बड़ी आबादी के लिए यह किसी चुनौती से कम नहीं होती। ज्यादातर डॉक्टर किसी भी बीमारी में कुछ खास कंपनियों की महंगी दवाएं लेने की सलाह देते हैं या फिर कई गैरजरूरी दवाएं भी लिख देते हैं। जबकि एक विकल्प जेनेरिक दवाओं का मौजूद है। लेकिन खुद सरकार भी जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता के लिए बहुत गंभीर नहीं दिखती। लगभग

तीन साल पहले भारतीय चिकित्सा परिषद ने निर्देश जारी किया था कि डॉक्टर जहां तक संभव हो, मरीजों को जेनेरिक यानी सस्ती दवाएं लिखें। लेकिन शायद ही ऐसा देखा जाता है। इसके पीछे वजह सिर्फ यह होती है कि अपनी बनाई दवाएं लिखने के एवज में संबंधित कंपनियों की ओर से डॉक्टरों को कमीशन, उपहार और विदेश यात्रा की सुविधाएं मिलती हैं। राष्ट्रीय औषधि मूल्य प्राधिकरण की ताजा अधिसूचना के मुताबिक अगर विनिर्माता कंपनियां उच्च कीमत सीमा की व्यवस्था का अनुपालन नहीं करती हैं तो उन्हें अतिरिक्त राशि ब्याज के साथ जमा करनी पड़ेगी। इसमें अच्छा यह है कि सरकार ने कुछ गंभीर बीमारियों के इलाज के आर्थिक पक्ष और इसके चलते प्रभावित लोगों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए इन्हें नियंत्रण के दायरे में रखने का फैसला किया है। वरना आर्थिक सुधारों के नाम पर बाजार के मामले में जिस तरह की नीतियों की ओर सरकारों के कदम बढ़ रहे हैं, उसमें वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रण-मुक्त कर देने को ही समस्या के हल के रूप में पेश किया जा रहा है। मगर सवाल है कि भारत में स्वास्थ्य के मोर्चे पर दयनीय हालात के मद्देनजर दवाओं की कीमतों के मामले में ऐसे किसी फैसले को क्या उचित कहा जा सकता है! दरअसल, ताजा पहल इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि करीब डेढ़ साल पहले सरकार की ओर से एक सौ आठ दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण हटा लेने की खबरें आईं थीं, जिनमें टीबी, कैंसर जैसी बीमारियों की दवाएं शामिल थीं। इसके बाद इन दवाओं की कीमतों में बेलगाम बढ़ोतरी की आशंका जाहिर की गई थी। सवाल है कि नियंत्रण हटने के साथ ही कभी सौ और हजार रुपए में मिलने वाली दवाओं के हजार और लाख रुपए वसूले जाएं, तो ऐसी नीतियों का क्या हासिल होगा! फिलहाल उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार के ताजा फैसले के बाद महंगी दवाओं की कीमतों में कुछ कमी आएगी।

कर्ज के भंवर में बैंकों की नैया

भारतीय बैंकों की पिछले वित्त वर्ष (2015-16) की बैलेंस शीट पढ़ने के बाद रिजर्व बैंक के गवर्नर पर निशाना साधने वालों का स्वार्थ साफ समझ में आता है। आज देश में कुल सूचीबद्ध बैंकों की संख्या उनतालीस है। रिजर्व बैंक ने पिछले साल एक आदेश जारी किया था, जिसके अनुसार सभी बैंकों के लिए वित्त वर्ष 2015-2016 की अंतिम दो तिहाई में नॉन परफॉर्मिंग एसेट (एनपीए), रिस्ट्रक्चर्ड लोन और बैड लोन जाहिर करना और मार्च 2017 तक उनकी भरपाई के प्रावधान बताना जरूरी कर दिया गया। सभी बैंकों को चालू वित्त वर्ष (2016-17) में अपनी बैलेंस शीट पाक-साफ करने का आदेश है। इस हुक्म से बैंकों की मानो शामत आ गई। बरसों से करोड़ों-अरबों रुपए का कर्ज दबा कर बैठे मुट्ठी भर बड़े लोगों और उद्योगों पर सरकार की नकेल कसने लगी है। वे बौखला गए हैं, रिजर्व बैंक के गवर्नर को बेदखल करने के लिए हर हथकंडा आजमा रहे हैं। बैंकिंग शब्दकोश में जब कोई कर्ज लेने वाला व्यक्ति या संस्था तीन माह से ज्यादा समय तक अपनी किश्त नहीं चुकाती तो उसका ऋण एनपीए घोषित कर दिया जाता है। बैलेंस शीट सेहतमंद दिखाने और एनपीए के दाग से बचने के लिए बैंक अक्सर मोटे कर्जे रिस्ट्रक्चर कर देते हैं। देखा जाए तो यह कदम ऋण न चुकाने वाले को दंडित करने के बजाय, छूट देना ही कहा जाएगा। मोटामोटी एनपीए और रिस्ट्रक्चर्ड लोन को जोड़ कर जो रकम बनती है उसे 'स्ट्रेस लोन' (ऐसा कर्ज जो संकट में हो) कहा जाता है। जब उधार दी रकम और उसका ब्याज वापस मिलने की कोई संभावना नहीं रहती, तब बैंक ऐसा कर्ज बट्टे खाते में डाल देते हैं। अगर एनपीए, रिस्ट्रक्चर लोन और बट्टे खाते में डाल दिए गए ऋण को जोड़ दिया जाए तो मार्च 2016 में सार्वजनिक बैंकों का बीस प्रतिशत से अधिक उधार खतरे में था, जबकि निजी बैंकों का मात्र 4.6 फीसद कर्ज संकट में था। अब यह बात साफ हो चुकी है कि सार्वजनिक बैंक एनपीए और बैड लोन की समस्या से लंबे समय से जूझ रहे हैं, पर अपनी कमजोरियों पर परदा डालने और कर्ज न लौटाने वाले प्रभावशाली लोगों के नाम छिपाने के लिए वे हेराफेरी कर अपनी बैलेंसशीट तंदुरुस्त दिखाते आए हैं। रिजर्व बैंक के आदेश के बाद उनके हाथ बंध गए, सच बताना जरूरी हो गया। परिणामस्वरूप पिछले वित्त वर्ष की अंतिम दो तिमाही में सार्वजनिक बैंकों के बैड लोन की रकम तूफानी गति से बढ़ गई। पिछले एक साल में देश के उनतालीस बैंकों के बैड लोन में पंचानबे फीसद का इजाफा हुआ है। अक्तूबर-दिसंबर, 2015 की तिमाही में यह रकम दस खरब रुपए बढ़ी, जबकि जनवरी-मार्च, 2016 की तिमाही में उसमें पंद्रह खरब रुपए का इजाफा हुआ। मतलब यह कि महज छह महीने में पच्चीस खरब रुपए के बैड लोन पर

पड़ा रहस्य का परदा हट गया। यह राशि खतरे में पड़े कुल कर्ज का करीब आधा हिस्सा है। मार्च, 2016 तक देश के सभी सार्वजनिक बैंकों ने कुल 554 खरब रुपए का ऋण दे रखा था, जिसमें से पांच खरब रुपए 'बैड लोन' (ऐसा कर्ज जिसके लौटने की संभावना बहुत क्षीण है) की श्रेणी में आता है। मतलब यह कि करीब दस फीसद ऋण के वापस आने की आशा न के बराबर है। अगर इसमें नरिस्ट्रक्चर्ड लोन और बट्टे खाते में डाली गई रकम भी जोड़ दी जाए, तो स्ट्रेस लोन का आंकड़ा दो गुना हो जाएगा। आज कुल बैड लोन का नब्बे प्रतिशत हिस्सा सार्वजनिक बैंकों के खाते में लिखा है, जबकि केवल सत्तर फीसद बैंकिंग बाजार पर उनका अधिकार है। दूसरी तरफ निजी बैंक हैं, जिनका तीस प्रतिशत बाजार पर कब्जा है, पर बैड लोन में उनकी हिस्सेदारी केवल दस फीसद है। सार्वजनिक बैंक पिछले पंद्रह बरस में इतने खराब दौर से कभी नहीं गुजरे। इस साल जनवरी से मार्च के बीच महज तीन महीनों में उन्हें 23,493 करोड़ रुपए का घाटा (पिछले वर्ष साढ़े आठ हजार करोड़ रुपए का लाभ था) हुआ, जबकि इसी अवधि में निजी बैंकों ने 8,807.48 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया। इस दौरान पंजाब नेशनल बैंक को 5,367 करोड़ रुपए, केनरा बैंक को 3,905 करोड़ रुपए, बैंक आफ इंडिया को 3,587 करोड़ रुपए, बैंक ऑफ बड़ोदा को 3,230 करोड़ रुपए, सिंडिकेट बैंक को 2,158 करोड़ रुपए, यूको बैंक को 1,715 करोड़ रुपए और आइडीबीआई बैंक को 1,736 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया देश का सबसे बड़ा बैंक है, लेकिन सर्वाधिक बैड लोन भी उसके खातों में चढ़ा है। ताजा बैलेंस शीट देख कर पता चलता है कि इस बैंक का दस खरब रुपए का ऋण खतरे में है। इसी प्रकार दूसरे सबसे बड़े सार्वजनिक बैंक पीएनबी का 55,818 करोड़ रुपए, बैंक ऑफ इंडिया का 49,879 करोड़ रुपए तथा बैंक ऑफ बड़ोदा का 40,521 करोड़ रुपए बतौर बैड लोन फंसा है। पिछले एक बरस में सार्वजनिक बैंकों की बैड लोन की रकम बढ़ कर दो गुना से अधिक हो चुकी है। यूको बैंक का बैड लोन 6.76 से बढ़ कर 15.43 फीसद, बैंक ऑफ इंडिया का 5.39 से बढ़ कर 13.07 फीसद और बैंक ऑफ बड़ोदा का 3.72 से बढ़ कर 9.9 फीसद हो चुका है। निजी बैंकों में सबसे बुरी हालत आइसीआइसीआइ बैंक की है, जिसके माथे 5.82 प्रतिशत बैड लोन चढ़ा है। भारत के पच्चीस में से चौदह सार्वजनिक बैंकों की बैड लोन रकम नौ से 17.4 प्रतिशत के बीच है। यहां याद दिलाना जरूरी है कि सार्वजनिक बैंकों में आम आदमी अपनी खून-पसीने की कमाई का पैसा जमा करता है। इन बैंकों से लिया उधार जानबूझ कर न लौटाना, जनता के धन की लूट ही कही जाएगी। कुछ सफेदपोश लोगों के इस अपराध की वजह से आज अधिकतर सार्वजनिक बैंकों पर संकट के बादल छाए हैं। पिछले वित्त वर्ष की अंतिम दो तिमाहियों में तेरह सार्वजनिक बैंकों को लगातार घाटा हुआ है और जिन नौ ने मुनाफा दिखाया, उनका लाभ भी पिछले साल के मुकाबले काफी कम था। घाटे वाले बैंकों को अपने बैड लोन के लिए अलग से रकम का इंतजाम करना पड़ा है। एक वर्ष पहले यह रकम 9.37 खरब रुपए थी, जो 87 प्रतिशत वृद्धि के बाद अब 17.5 खरब रुपए हो गई है। इसका मतलब यह भी है कि आज सार्वजनिक बैंकों के पास कर्ज देने के लिए कम पैसा है। गत वर्ष उनके दिए कर्जों में मात्र 2.73 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि निजी बैंकों के ऋण 22.40 फीसद की गति से बढ़े। इस कमजोरी का असर सार्वजनिक बैंकों की आमदनी पर पड़ा है। कर्ज पर वसूला गया ब्याज ही बैंकों की कमाई का मुख्य जरिया होता है। जब कर्ज देने को पैसा नहीं होगा, तब कमाई की अपेक्षा कैसे की जा सकती है? वित्त वर्ष 2015-16 की अंतिम तिमाही में सार्वजनिक बैंकों की ऋण से होने वाली आय में केवल दो प्रतिशत वृद्धि हुई। उनकी आय उन्नीस अरब रुपए से बढ़ कर 19.4 अरब रुपए हो पाई, जबकि इसी अवधि में निजी बैंकों की आय में शानदार इक्कीस फीसद का इजाफा हुआ है। गत फरवरी माह में सूचना के अधिकार के तहत जुटाई गई जानकारी से पता चला कि उनतीस सार्वजनिक बैंकों ने सन 2013 से 2015 के बीच महज दो बरस में बड़े डिफाल्टरों का 1.14 लाख करोड़ रुपए का कर्ज बट्टे खाते (राइटऑफ) में डाल दिया। सन 2004 से 2015 के बीच 2.11 लाख करोड़ रुपए का कर्ज राइटऑफ किया जा चुका है। अखबारों में छपी इस खबर का संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने रिजर्व बैंक से डिफाल्टर की सूची तलब की थी। बैंकों के अदालत में दाखिल हलफनामे के अनुसार वर्ष 2014 से पहले पांच सौ करोड़ रुपए या इससे अधिक रकम के 'रिस्ट्रक्चर लोन' की कोई जानकारी उसके पास नहीं है। इस हलफनामे से बैंकों की नीयत पर शक होता है। जब से किंगफिशर के मालिक विजय माल्या सत्रह बैंकों से लिया 7800 करोड़ रुपए का कर्ज बिना लौटाए विदेश भाग गए, तब से ऋण न लौटाने वाले कॉरपोरेट का मुद्दा मीडिया में छाया हुआ है। आज माल्या से कहीं बड़ा कर्ज उठाने वाले करीब तिरालीस उद्योगपति हैं, जिन पर बैंकों की चार लाख करोड़ रुपए की उधारी चढ़ी है। जानकारों का मत है कि नब्बे के दशक में भी सार्वजनिक बैंकों के सामने आज जैसा संकट था और वे बैड लोन के झंझावात का सामना करने में सफल रहे थे। लेकिन यह दावा करने वाले भूल जाते हैं कि तब और अब के हालात में भारी अंतर है। तब स्टेटेचुरी लिक्विडिटी रेश्यो (एसएलआर) 38.5 प्रतिशत थी, जो अब गिर कर 21.25 फीसद कर दी गई है। इसी प्रकार तब कैश रिजर्व रेश्यो (सीआरआर) 14.5 प्रतिशत थी, जो अब घट कर चार फीसद रह गई है। इस हिसाब से 1993 में कोई बैंक अपने पास जमा कुल जमा रकम का सैंतालीस फीसद (100-38.5 + 14.5 = 47) से ज्यादा धन बतौर कर्ज नहीं दे सकता था, जबकि अब 74.75 प्रतिशत (100-21.25 + 4 =74.75) तक ऋण दे सकता है। इस हिसाब से आज सार्वजनिक बैंकों का कहीं अधिक धन फंसा हुआ है और अगर यह रकम समय पर वसूली नहीं जाती।

स्वात्वाधिकारी (मुद्रक, प्रकाशक, मालिक व सम्पादक) मनोज भारद्वाज द्वारा नीलू प्रींटिंग प्रैस, प्लॉट नं. 3/1, टीसीसी, कॉम्प्लेक्स, सेक्टर 10 फरीदाबाद-121006 से छपवाकर मुख्य कार्यालय बी 2403 गली नं. 8 25 फुट रोड़ एसजीएम नगर एन.एच.4 एन.आई.टी फरीदाबाद से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं.-HARHIN/2012/41589

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।

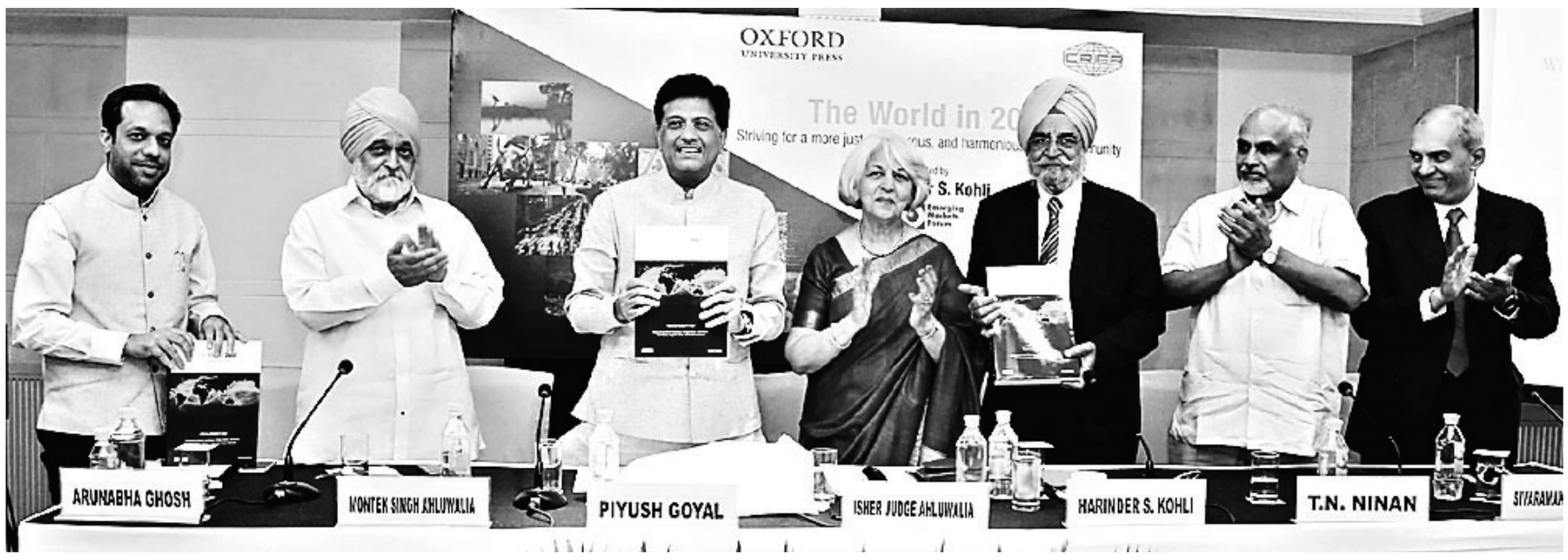

विद्युत, कोयला और नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पीयूष गोयल नई दिल्ली में 'दि वर्ल्ड इन 2050ः स्ट्राइविंग फॉर ए मोर जस्ट, प्रॉसपरस एण्ड हारमोनियस ग्लोबल कम्युनिटी' नामक पुस्तक का विमोचन करते हुए।

संक्षिप्त समाचार

6 साल की वैशाली ने इलाज के लिए प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, दिल के ऑपरेशन में तत्काल मिली मदद

पुणे। दिल की बीमारी से जूझ रही पुणे की छह वर्षीय वैशाली यादव ने सोचा भी नहीं था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे उसके पत्र पर

इतनी तेजी से कार्रवाई होगी और उसे अपने दिल के आपरेशन के लिए मदद मिलेगी। यह मदद मिलने पर उसकी सर्जरी हुई और अब उसके स्वास्थ्य में सुधार आ रहा है। एक गरीब परिवार से आने वाली वैशाली यादव के दिल में छेद था। मकानों की पुताई कर घर का खर्च चलाने वाले उनके पिता के लिए दिल के आपरेशन का खर्च उठाना संभव नहीं था और उन्होंने दवाइयां खरीदने के लिए खिलौने और साइकिल तक बेच दी थी। कक्षा दो की विद्यार्थी वैशाली ने एक दिन प्रधानमंत्री मोदी को एक पत्र लिखकर उन्हें अपने स्वास्थ्य की स्थिति और अपने परिवार की वित्तीय असमर्थता की जानकारी देते हुए इलाज का खर्च उठाने की मदद मांगी। एक सप्ताह के भीतर, प्रधानमंत्री कार्यालय ने पुणे जिला प्रशासन को अलर्ट किया। जिले के अधिकारियों ने उसके परिवार का पता लगाया और लड़की को रूबी हॉल क्लिनिक में भर्ती कराया जहां दो जून को उसका निःशुल्क आपरेशन किया गया। वैशाली के चाचा प्रताप यादव ने कहा, '' वैशाली के दिल में छेद था और विभिन्न अस्पतालों का चक्कर लगाने के बाद हमें पता चला कि इस सर्जरी का खर्च तीन लाख रर से अधिक है। माली हालत के चलते यह आपरेशन कराने में हम असमर्थ थे।''

देवबंद ने गर्भपात के खिलाफ जारी किया एक और फतवा

लखनऊ। मुसलमानों में बिगड़ते लिंगानुपात के बीच देश के प्रमुख इस्लामी शिक्षण संस्थान दारुल उलूम देवबंद ने गर्भपात के खिलाफ एक और फतवा जारी किया है। इदारे का कहना है कि इस्लाम की नजर में गर्भपात कराना कत्ल करने के बराबर बहुत बड़ा गुनाह है। दारुल उलूम देवबंद के फतवा विभाग 'दारुल इफ्ता' द्वारा गत छह जून

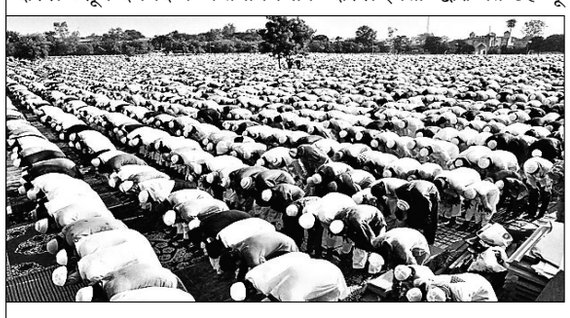

को दिये गये फतवे में कहा गया है कि इस्लाम की शुरुआत से पहले लोग अपनी बच्चियों को जिंदा दफन कर दिया करते थे। कुरान शरीफ में इसकी सख्त निन्दा की गयी है। इस्लाम में गर्भपात करवाना अवैध और हराम है। फतवे में कहा गया है कि इस्लाम में बेटियों के साथ अच्छे बर्ताव का हुक्म दिया गया है। इस्लाम में लड़कियों के लिये किसी भी तरह के असम्मान की कोई जगह नहीं। बेटियां अल्लाह का दिया वरदान हैं और अल्लाह ने उनकी क्रद करने का हुक्म दिया है। गौरतलब है कि देश में मुसलमानों में प्रति हजार लड़कों पर लड़कियों का अनुपात वर्ष 2001 की जनगणना में 950 था, जो 2011 में घटकर 943 रह गया है। दारुल इफ्ता से सवाल पूछा गया था कि भ्रूण खासकर बालिका भ्रूण को हटाने को लेकर इस्लाम का क्या नजरिया है और बेटियों के प्रति माता-पिता के क्या फर्ज हैं। साथ ही जो लोग अपनी बेटियों के साथ खराब बर्ताव करते हैं, उनके लिये इस्लाम में सजा का कोई प्रावधान है या नहीं।

भारत में 45 अरब डॉलर निवेश करेगी अमेरिकी कंपनियां

वॉशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिन के अमेरिकी दौरे पर हैं। इस दौरे पर पीएम मोदी ने व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा से मुलाकात की। आज पीएम मोदी अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करेंगे। मोदी ने अमेरिका भारत व्यापार परिषद (यूएसआईबीसी) में अमेरिकी कारोबारी समुदाय को भी संबोधित किया। इस बैठक में अमेजन के जेफ बेजोस के साथ ही अमेरिका के टॉप सीईओ भी मौजूद थे। यूएसआईबीसी के अध्यक्ष जॉन चेंबर्स ने कहा कि दो साल से भी कम समय में यूएसआईबीसी की करीब 20त्न सदस्य कंपनियों ने भारत में 28 अरब डॉलर का निवेश किया है। उन्होंने कहा, 'अगले दो-तीन साल में हमें इस दायरे की विस्तार की उम्मीद दिखती है और यूएसआईबीसी के सदस्यों यानी अमेरिकी कंपनियों ने 45 अरब डॉलर यानी 3 लाख करोड़ रुपए अतिरिक्त निवेश का संकेत दिया है।'जॉन चेंबर्स ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी के 'डिजिटल इंडिया' और अन्य प्रमुख आर्थिक सुधार के कार्यान्वयन के रिकॉर्ड को देखते हुए हमें भरोसा है कि यह आंकड़ा नाटकीय तौर पर बढ़ सकता है, शायद दोगुना हो जाए।' चेंबर्स ने कहा, 'आज हम भारत की वृद्धि की संभावना का नया चरण देख रहे हैं जो प्रधानमंत्री मोदी के विचारों से प्रेरित है।' यूएसआईबीसी का वैश्विक नेतृत्व पुरस्कार बेजोस समेत सन फार्मा के संस्थापक और प्रबंध निदेशक दिलिप सांघवी को भी दिया गया।

अमेरिका : बीच हवा में टकरा गए दो F-16 लड़ाकू विमान, बीते हफ्ते भी हुए थे 2 प्लेन क्रैश

कोलंबिया। अमेरिका के पूर्वी जॉर्जिया इलाके में अमेरिकी साउथ कैरोलिना एयर नेशनल गार्ड के दो एफ-16 लड़ाकू विमान बीच हवा में आपस में टकरा गया। हालांकि, पायलटों ने वक?त रहते विमान से पैराशूट के सहारे कूद गए, जिसकी वजह से उनकी जान बच गई। एयर नेशनल गार्ड की ओर से जारी बयान में बताया गया कि हादस मंगलवार रात नौ बजकर पंद्रह मिनट पर हुआ। दोनों प्?लेन जॉर्जिया में रूटीन उड़ान पर थे। हादसे के बाद दोनों पायलटों को अस?पताल ले जाया गया। नेशनल गार्ड के प्रवक?ता ने बताया कि पायलटों को कोई खास चोट नहीं आई है। प्रवक?ता ने कहा कि पायलट जॉर्जिया के एयर स?पेस में अपने ट्रेनिंग मिशन पर थे। नेशनल गार्ड इस इलाके का इस?तेमाल इस तरह की ट्रेनिंग में अक?सर करता है। प्रवक?ता स?टीफन हडसन के मुताबिक, दोनों प्?लेन की क्रैश होने की जगह अलग-अलग है। हडसन के मुताबिक, इस हादसे की वजह जाने के लिए जांच

की जा रही है। बता दें कि अमेरिकी वायुसेना के जहाज बीते हफ्ते भी क्रैश के शिकार हुए हैं। एक हादसा गुरुवार को टेनिसी के नैशविले में हुआ। स्र/-18 प्?लेन के क्रैश होने से पायलट मरीन कैप्?टन जेफ कस की मौत हो गई। गुरुवार को ही कोलेरेडो में एक थंडरबर्ड एफ16 क्रैश हो गया था। हालांकि, पायलट मेजर एलेक?स टर्नर ने खुद को प्?लेन से अलग कर लिया था। यह प्?लेन एयर फोर्स अकादमी के ओपन एयर ग्रेजुएशन सेरेमनी में परफॉर्म करके लौटा था। इस कार्यक्रम में प्रेसिडेंट ओबामा भी मौजूद थे।

सऊदी प्रिंस बेच रहे हैं टोरंटो का लग्जरी होटल Four Seasons

सऊदी प्रिंस अलवलीद तलाल अल सऊद टोरंटो का मशहूर फोर सीजन होटल बेचना चा रहे हैं। होटल के हर एक रूम की कीमत 780,000 डॉलर (करीब

5,20,37,700 रुपए) रखी गई है। पूरे होटल की बेस प्राइज 1300 करोड़ रुपए रखी गई है। अगर होटल इसी कीमत पर बिकता है तो यह कनाड़ा में बिकने वाला सबसे महंगा होटल बना जाएगा। ब्लूमबर्ग टीवी ने अपनी रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा है कि प्रिंस की कंपनी किंग्डम हॉल्डिंग ने इसे बेचने के लिए मार्केट में इसी साल निकाला है।

आयुष (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री, श्रीपाद येस्सो नाइक नई दिल्ली में गृह राज्य मंत्री, श्री किरेन रीजीजू से मुलाकात करते हुए।

अमेरिकी राजनीति में हिलेरी ने रचा इतिहास, बनीं पहली महिला राष्ट्रपति उम्मीदवार

वांशिगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति पद की दौड़ में पहली बार किसी प्रमुख पार्टी की उम्मीदवार बनकर इतिहास रचने जा रहीं हिलेरी क्लिंटन ने न्यूजर्सी और न्यू मैक्सिको प्राइमरी में निर्णायक जीत के बाद बुधवार को राष्ट्रपति पद के डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवारी की दावेदारी की। हिलेरी (68) ने न्यूयार्क के ब्रूकलिन में अपने प्रचार अभियान के मुख्यालय पर अपने समर्थकों से कहा, ''आप सभी का शुक्रिया, हमने एक पड़ाव पार कर लिया है, हमारे देश के इतिहास में यह पहली बार है जब किसी प्रमुख पार्टी की उम्मीदवार कोई महिला होगी।'' डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार बनने के लिए जरूरी 2,383 डेलिगेट का समर्थन हासिल करने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति बराक

ओबामा ने हिलेरी को बधाई दी। बहरहाल, ओबामा ने अपनी पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन का औपचारिक तौर पर समर्थन नहीं किया। व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव जोश अर्नेस्ट ने एक बयान में कहा, ''उनके ऐतिहासिक अभियान ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है और यह मध्य वर्ग के परिवारों एवं बच्चों के लिए उनके आजीवन संघर्ष का विस्तार है।'' बयान के अनुसार, ''डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों के लिए प्रेरणा बनने और उनमें ऊर्जा भरने'' के लिए ओबामा ने हिलेरी और डेमाक्रेटिक पार्टी में उनके प्रतिद्वंद्वी बर्नी सैंडर्स दोनों की तारीफ की। इसके अनुसार, वरमोंट के सीनेटर सैंडर्स के अनुरोध पर कल अमेरिकी राष्ट्रपति व्हाइट हाउस में उनसे मुलाकात करें

ISIS में शामिल होने की कोशिश करने पर अमेरिकी नागरिक को मिली 12 वर्ष की जेल

लॉस एंजिलिस। इस्लामिक स्टेट समूह में शामिल होने और धर्म युद्ध शुरू करने के लिए सीरिया जाने की कोशिश करने वाले कैलिफोर्निया के एक व्यक्ति को 12 वर्ष जेल की सजा सुनाई गई है। इस्लाम धर्म कबूलने वाले 22 वर्षीय निकोलस माइकल ट्यूसैंट पर आतंकी समूह को सहायता सामग्री या संसाधन मुहैया कराने की कोशिश का आरोप था और

इस संबंध में दिसंबर में उसने अपना गुनाह कबूल लिया था। मार्च 2014 में आतंकी नेटवर्क में शामिल होने के लिए सीरिया जाने के रास्ते में कनाडा की सीमा के पास से उसे गिरफ्तार किया गया था। जेल की सजा से रिहा होने के बाद 25 वर्ष तक उस पर निगरानी रखी जाएगी। यूएस डिस्ट्रिक्ट जज जॉन मेंडेज ने कल कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटो में सजा सुनाते हुए कहा, ''आतंकवाद को एक ऐसे अपराध में शामिल किया जाना चाहिए जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। यहां गलती के लिए कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए।''

बिहार सरकार के सचिवालय से 500 अहम फाइलें चोरी

पटना। करोडों रुपये के चारा घोटाला के लिए चर्चित रहे बिहार के पशु संसाधन विभाग की करीब 500 फाइलों के गायब होने को लेकर पटना शहर के सचिवालय थाना में प्राथमिकी दर्ज की गयी है. सचिवालय थाना अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार झा ने बताया कि पशु संसाधन निदेशालय से करीब 500 फाइलों के गायब होने को लेकर पशु संसाधन निदेशक के निर्देश पर शाखा अधिकारी सत्येंद्र कुमार द्वारा अज्ञात लोगों के विरुद्ध गत 16 मई को दायर करायी गयी प्राथमिकी की छानबीन जारी है। यह प्राथमिकी भादंवि की धारा 379 के तहत दर्ज की गयी है. उल्लेखनीय है कि गत छह मई को पटना स्थित सीबीआई की एक अदालत ने वर्ष 1994 से 1996 के बीच भागलपुर और बांका जिला कोषागार से फर्जी विपत्रों के आधार पर पशुपालन विभाग से धोखाधडी, जालसाजी एवं सरकारी पद का दुरुपयोग कर 46 लाख करोड रुपये की कथित अवैध निकासी के मामले में राजद प्रमुख लालू प्रसाद और पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ मिश्र सहित अन्य 31 को उपस्थिति होने को कहा था. इस बीच पशु संसाधन मंत्री अवधेश कुमार सिंह ने इस बात से इंकार किया है कि जो फाइलें गायब हुई हैं वह करोड़ों रुपये के चारा घोटाला से संबंधित हैं. अवधेश ने बताया कि गायब हुई फाइलें चारा घोटाला से संबंधित नहीं हैं क्योंकि उक्त घोटाले से संबंधित सभी फाइलें जांच एजेंसी सीबीआई को सौंप दी गयी हैं. उन्होंने बताया कि सचिवालय थाना में जिन गायब हुई फाइलों को लेकर प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है वह वर्ष 1997 से 2011 के बीच के विभागीय मामलों यथा सेवानिवृत्ति, पेंशनादि से संबंधित थीं. बिहार के महागंठबंधन जदयू-राजद-कांग्रेस- में कांग्रेस कोटे से मंत्री अवधेश ने तुच्छ राजनैतिक लाभ हासिल करने के लिए विपक्षियों द्वारा झूठी अफवाह फैलाने का आरोप लगाया.

अमेरिका ने पठानकोट हमलावरों को सजा देने के लिए कहा

वॉशिंगटन। पठानकोट हमले को मुंबई में 26/11 को हुए हमले की तरह लेते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने एक स्पष्ट संदेश में पाकिस्तान से इसके षड्यंत्रकारियों को सजा देने के लिए कहा और जैश ए मोहम्मद, लश्कर ए तैयबा तथा डी कंपनी जैसे पाक स्थित समूहों से पेश आतंकी खतरों के खिलाफ भारत के साथ खड़ा रहने का संकल्प जताया। राष्ट्रपति बराक ओबामा और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल व्हाइट हाउस में मुलाकात के बाद जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया है 'उन्होंने (ओबामा और मोदी ने) पाकिस्तान से 2008 के मुंबई हमले और 2016 के पठानकोट हमले के षड्यंत्रकारियों को न्याय के दायरे में लाने के लिए कहा।' बयान के अनुसार, बैठक के दौरान मोदी और ओबामा ने माना कि आतंकवाद से मानव सभ्यता को लगातार खतरा बना हुआ है। उन्होंने पेरिस से लेकर पठानकोट तक और ब्रसेल्स से लेकर काबुल तक हुए हालिया आतंकी हमलों की निंदा की। आगे बयान में कहा गया 'उन्होंने दुनिया में कहीं भी होने वाले आतंकवाद और उनकी सहयोगात्मक अवसंरचना के षड्यंत्रकारियों को न्याय के दायरे में लाने के लिए द्विपक्षीय और समान सोच रखने वाले देशों के साथ अपने प्रयासों को दोगुना करने का संकल्प जाहिर किया।' मुलाकात के दौरान, ओबामा ओर मोदी ने 'अलकायदा, दाएश (आईएसआईएल) जैश ए मोहम्मद, लश्कर ए तैयबा, डी कंपनी और उनसे संबद्ध समूहों जैसे चरमपंथी गुटों से आसन्न आतंकी खतरों के खिलाफ सहयोग मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई जिसमें संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकी घोषित किए गए संगठनों के खिलाफ सहयोग गहरा करना शामिल है।'

e-mail :
mnewsdaily2008@gmail.com

हर दिन न खाएं ये फूड्स

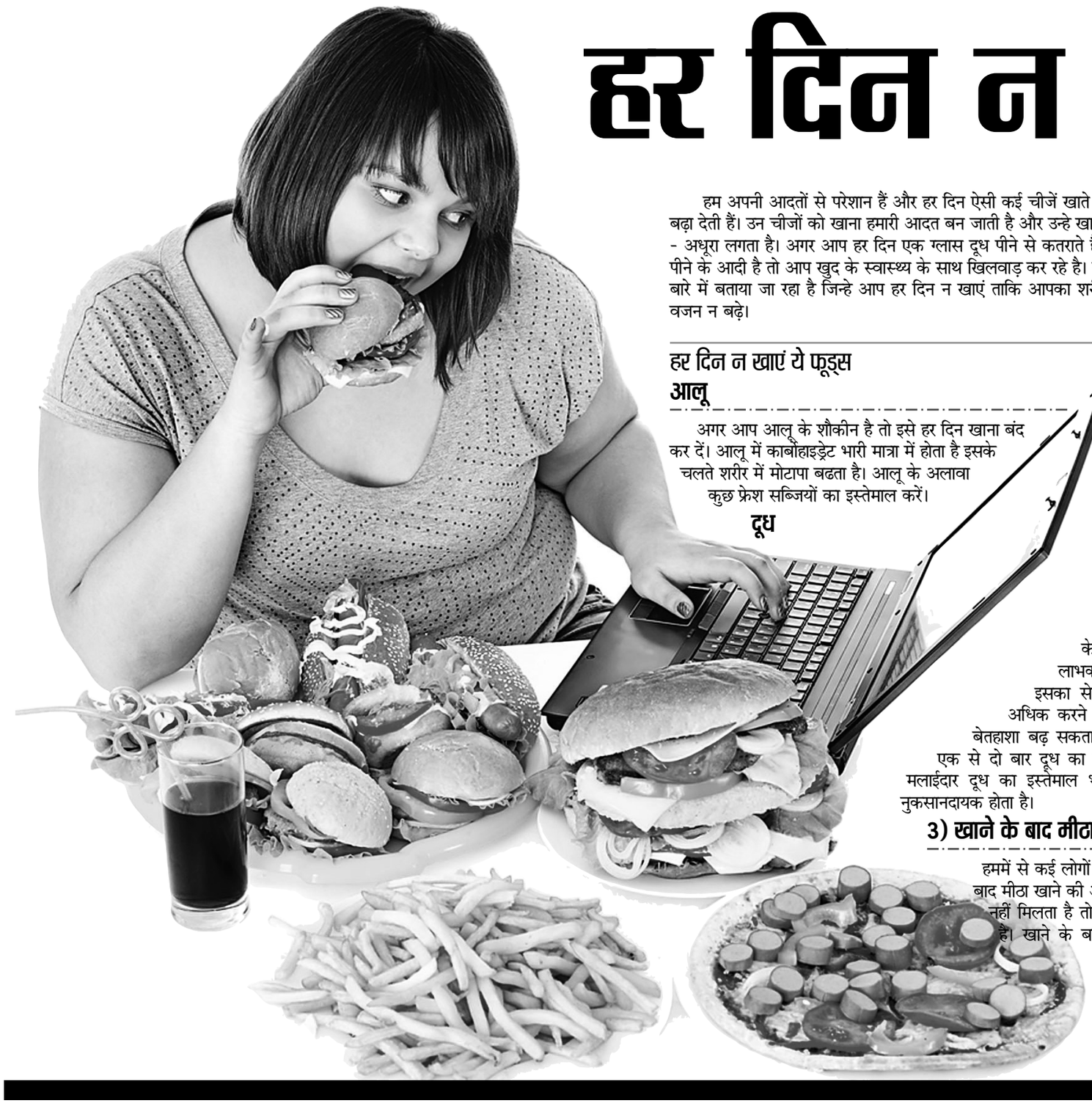

हम अपनी आदतों से परेशान हैं और हर दिन ऐसी कई चीजें खाते हैं जो हमारा वजन बढ़ा देती हैं। उन चीजों को खाना हमारी आदत बन जाती है और उन्हे खाएं बिना दिन अधूरा - अधूरा लगता है। अगर आप हर दिन एक ग्लास दूध पीने से कतराते है और कोल्ड ड्रिंक पीने के आदी है तो आप खुद के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे है। यहां कुछ फूड्स के बारे में बताया जा रहा है जिन्हे आप हर दिन न खाएं ताकि आपका शरीर स्वस्थ रहे और वजन न बढ़े।

हर दिन न खाएं ये फूड्स

आलू

अगर आप आलू के शौकीन है तो इसे हर दिन खाना बंद कर दें। आलू में कार्बोहाइड्रेट भारी मात्रा में होता है इसके चलते शरीर में मोटापा बढता है। आलू के अलावा कुछ फ्रेश सब्जियों का इस्तेमाल करें।

दूध

वैसे मिल्क स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी होता है लेकिन इसका सेवन एक मात्रा से अधिक करने पर आपका वजन बेतहाशा बढ़ सकता है। आप दिन में एक से दो बार दूध का सेवन करें। ज्यादा मलाईदार दूध का इस्तेमाल भी शरीर के लिए नुकसानदायक होता है।

3) खाने के बाद मीठा :

हममें से कई लोगों को खाना खाने के बाद मीठा खाने की आदत होती है, कुछ नहीं मिलता है तो चीनी ही खा लेते है। खाने के बाद ज्यादा मात्रा में मीठी चीज का सेवन खतरनाक होता है। अगर आपको हर दिन ऐसा करने की आदत है तो

आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती है। वीकेंड या फिर स्पेशल अवसर पर ही खाने के बाद मीठा खाएं।

रिफ्रेशमेंट के लिए हेल्दी

दिन में सबसे ज्यादा अनहेल्दी चीजें शाम के दौरान खाई जाती हैं। बाहर निकले समोसा या पकोड़े खा लिए। इनमें तेल बहुत ज्यादा मात्रा में होता है जिससे बॉडी में फैट बढ़ता है। शाम के समय रिफ्रेशमेंट में पालक का सूप या कोई अन्य सूप या वेज सलाद आदि खाएं। इससे आपका स्वास्थ्य बनेगा और कोई नुकसान नहीं होगा।

वजन घटाना है तो खाएं बादाम

बादाम के गुणों से तो हम सब वाकिफ हैं। इसके चिकित्कसीय गुण तो हैं ही साथ ही यह खाने में भी स्वादिष्ट होता है। नियमित रूप से बादाम का सेवन कोलस्ट्रोल को मात्रा कम करके आपको फिट रख सकता है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि बादाम वजन कम करने में भी सहायक है। हाल ही में हुए शोध में यह बात सामने आयी है। अमेरिकन जरनल ऑफ क्लीनिकल न्यूट्रीशन में प्रकाशित शोध में बताया गया है कि रोजाना बादाम की एक निश्चित मात्रा वजन घटाने में मददगार साबित होती है। इस शोध में 123 ऐसे लोगों को चुना गया जिनका वजन ज्यादा था। इनमें से आधे लोगों को रोजना खाने के लिए बादाम के 28 ग्राम के पैकेट दिए गए जबकि आधे लोगों को उतनी ही कैलोरी का लेकिन बादाम रहित भोजन दिया गया। छह महीने के बाद जब दोनों ही तरह के लोगों का परीक्षण किया गया तो शोधकर्ताओं ने पाया कि रोज करीब 24 बादाम खाने वाले लोगों का वजन बादाम नहीं खाने वालों की तुलना में तेजी से घटा है। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि बादाम खाने वाले लोगों के कोलेस्ट्रॉल में औसतन 8.7 मिलीग्राम की भी कमी हुई है। कोलेस्ट्रॉल की यह मात्रा 'सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन' द्वारा निर्धारित की गई मात्रा से काफी कम है।

...इसलिए जरूरी है महिलाओं का जिम जाना

जिम वर्कआउट महिला और पुरुष दोनों के लिए फायदेमंद होता है। हालांकि दोनों के एक्सरसाइज अलग–अलग होते हैं। जिम करने से महिलओं का वजन तेजी से कम होता है। महिलाओं के लिए जिम में होने वाले एक्सरसाइज में एरोबिक्स, वेट्स, कार्डियो और स्ट्रेचिंग प्रमुख है। इन एक्सरसाइज से महिलओं का शरीर मजबूत होता है और उसमें लचीलापन आता है। साथ ही इससे बॉडी शेप में भी आती है। आज के समय में तो जिम के एक्सरसाइज का महत्व और भी बढ़ गया है। आज महिलाओं को फिजिकली ज्यादा वर्क नहीं करना पड़ता है क्योंकि आसान विकल्प उपलब्ध है। महिलाओं में फिजिकल स्ट्रेन भले ही घट गया हो, पर मेंटल स्ट्रेस बढ़ गया है। मेंटल और फिजिकल हेल्थ को बनाए रखने के लिए जिम में जाकर एक्सरसाइज करना जरूरी है। ऐसे कई कारण हैं, जिससे जिम का एक्सरसाइज महिलाओं के लिए अच्छा होता है। आइए ऐसे ही कुछ फायदों के बारे में जानते हैं। इसलिए जरूरी है महिलाओं का जिम जाना

फिजिकली फिट

जिम में एक्सरसाइज करने से शरीर फिट और एक्टिव रहता है। महिलाओं को मोटापा, दिल की बीमारी और मधुमेह से बचने के लिए फिजिकली एक्टिव रहने की जरूरत पड़ती है। साथ ही फिजिकल एक्टिविटी से शरीर का एनर्जी लेवल भी बढ़ता है। इतना ही नहीं फिजिकल एक्टिविटी से सेल व टिशू के मरम्मत और शरीर के अंग को तंदुरुस्त रखने में भी मदद मिलती है।

वजन कम करना

जिम का एक्सरसाइज महिलाओं को वजन कम करने में भी मदद करता है। आज कल महिलाओं में जीरो फिगर का चलन काफी बढ़ गया है। हर महिला स्लिम और सेक्सी दिखना चाहती है। जिम के जरिए आप इसे आसानी से हासिल कर सकते हैं।

अच्छा खाएं

अगर आप नियमित रूप से जिम करेंगी तो अपने आप अच्छा भोजन लेने लगेंगी। आपके भोजन की मात्रा काफी कम हो जाएगी और आप टुकड़ों में खाने लगेंगी। साथ ही आप पनीर और जंक जैसे फैट फूड खाने से भी परहेज नहीं करेंगे। ज्यादातर फैट एक्सरसाइज के दौरान बर्न हो जाएंगे।

जिम करने से आपके खान–पान में अनुशासन आएगा और आप एक रूटीन में बंधेंगी।

मजबूती

महिलाओं की सुरक्षा हर रोज चिंताजनक होती जा रही है। महिलाओं में इतनी ताकत तो होनी ही चाहिए कि वह खुद को छेड़छाड़ और रेप से बचा सके। महिलाओं को खुद को बचाने के लिए शारीरिक मजबूती की जरूरत हाती है। वेट ट्रेनिंग जैसे एक्सरसाइज करके महिलाएं जरूरत पड़ने पर लड़ भी सकती हैं। साथ ही कुछ ऐसे भी एक्सरसाइज हैं जो खासतौर से सेल्फ डिफेंस को ध्यान में रखकर किए जाते हैं। हर महिला को अपने बचाव के कुछ न कुछ गुर तो सीखना ही चाहिए। 5. सुखद एहसास = जिम के एक्सरसाइज एक तरह से फिजिकल एक्टिविटी हैं। इससे कुछ हार्मोन निकलते हैं जो तनाव को कम करते हैं। साथ ही इंडार्फिन के स्राव से भी हम तरोताजा महसूस करते हैं। एक्सरसाइज करने से मानसिक तनाव खत्म होता है। वर्कआउट के बाद आप पूरे दिन रीलैक्स और खुश महसूस करेंगे। 6. तंदुरुस्त दिल = जिम के एक्सरसाइज से दिल बेहतर ढंग से काम करता है। कार्डियो एक खास तरह का एक्सरसाइज है जो दिल की धड़कन को बढ़ाकर दिल और शरीर का मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है। एक्सरसाइज से शरीर में आक्सीजन का प्रवाह ज्यादा होता है, जिससे पूरे शरीर की कार्यप्रणाली बेहतर होती है।

घर पर इन चीजों से रहें दूर

इन दिनों विभिन्न प्रकार के सफाई उत्पाद लगभग सभी घरों का एक आम हिस्सा बन चुके हैं। इन उत्पादों में उच्च रासायनिक तत्व होते है और अगर इनका इस्तेमाल विवेकपूर्ण तरीके से नहीं किया जाए तो यह आप और आपके परिवार के लिए खतरा हो सकता है।

कुछ ऐसे उत्पाद होते हैं, जो हमारे घरों में स्वच्छता और सफाई लाने के लिए सबसे ज्यादा इस्तेमाल किये जाते है। लेकिन, वे हमारी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं।

एयर फ्रेशनर

एयर फ्रेशनर में फेनोल मेथोक्सेक्रोल और फॉर्मैल्डहाइड जैसे रसायनों की उच्च मात्रा पाई जाती है। इसमें मौजूद इन हानिकारक पदार्थों की वजह से हमारे तंत्रिका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जिससे श्वास संबंधी समस्या होने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, यह त्वचा के लिए बहुत खतरनाक होता है। अगर आपको किसी भी तरह के सूजन, खुजली या जलन की समस्या हो रही है तो इनका उपयोग बंद कर दे।

क्लोरीन

क्लोरीन को सबसे व्यापक रूप में क्लीनिंग के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसे बर्तन धोने के डिटर्जेंट, पीने के पानी, पानी के टैंक, स्विमिंग पूल और कई अन्य सफाई उत्पादों में बहुतायत इस्तमाल किया जाता है। अगर इसका इस्तमाल सही तरिके से ना किया जाए, तो ये हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। यह स्तन कैंसर के प्रमुख कारणों में से एक है। इसका सुरक्षित तरिके से इस्तमाल करने के लिए हाथ के दस्ताने, चेहरे के मास्क इत्यादी का उपयोग करें। साथ ही वेंटीलेशन के बिना क्लोरीन का उपयोग ना करें।

फर्नीचर पोलिश

फर्नीचर पॉलिश में नेट्रोवेजेन रसायन मिला होता है, जो हवा में घुलनशील होता है और आसानी से हमारी त्वचा द्वारा अवशोषित कर लिया जाता हैं। यह पेट्रोलियम की तरह अत्यधिक ज्वलनशील होता है। यदि एक लंबी अवधि के लिए आप इसके संपर्क में आते हैं, तो इससे फेफड़े या त्वचा के कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है।

कालीन क्लीनर

कालीन क्लीनर में नेफ़थलीन और परकोलोथिलिन होता है जो कैंसर जैसी बीमारी हो बढ़ावा दे सकता है। यह सीधे हमारे तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है और चक्कर आना और मतली का कारण बनता है। इसलिए इसका इस्तमाल भी सावधानी से करने की सलाह दी जाती है।

शौचालय क्लीनर

हम में से कई लोग जब शौचालय क्लीनर के संपर्क में आते हैं तो आंखों और त्वचा में जलन का अनुभव करते है। ऐसा हाइड्रोक्लोरिक एसिड की उच्च मात्रा की वजह से होता है। जलन के अलावा, यह गुर्दे और फेफड़ों से संबंधित समस्याओं का कारण भी बनता है। साथ ही अच्छी तरह से साँस लेने में परेशानी जैसी समस्याओं को भी जन्म दे सकता है।

ओवन क्लीनर

ओवन क्लीन करना एक कठिन काम है और इसकी सफाई के लिए घरों में सबसे ज्यादा ओवन क्लीनर उपयोग किया जाता है। लेकिन इसका अत्यधिक उपयोग हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। उनमें ज्यादातर एयरोसोल होता है, जो आसानी से हवा में घुल जाता है और हमारे श्वसन प्रणाली में प्रवेश कर जाता है। जिससे फेफड़ों में जलन की समस्या हो सकती है, जो लंबे समय तक घुटन की समस्या को जन्म दे सकती है। यह सच है कि हम इन सफाई उत्पादों से दूर नहीं रह सकते हैं।

e-mail :
mnewsdaily2008@gmail.com

रमज़ान में हर नेकी का सवाब 70 नेकियों के बराबर होता है

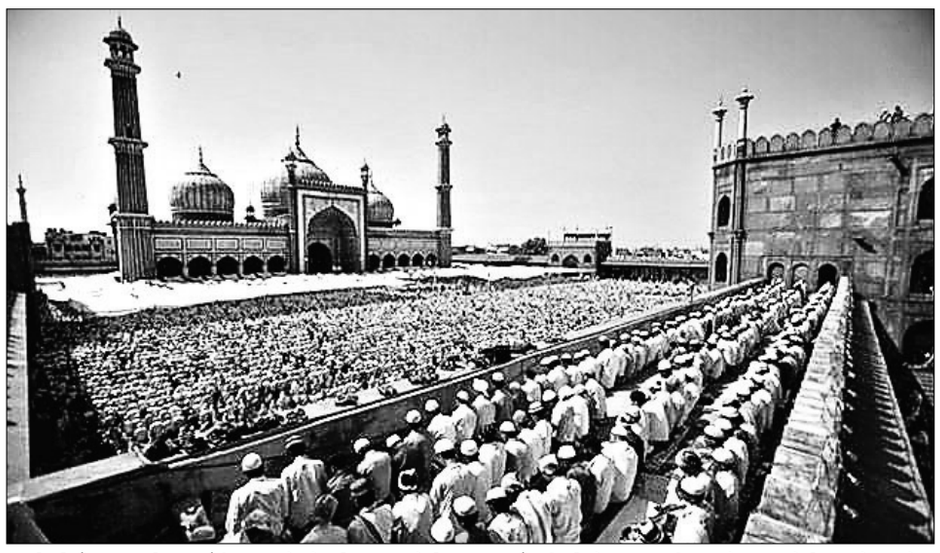

मरहबा सद मरहबा आमदे-रमज़ान है
खिल उठे मुरझाए दिल, ताज़ा हुआ ईमान है
हम गुनाहगारों पे ये कितना बड़ा अहसान है
या ख़ुदा तूने अता फिर कर दिया रमज़ान है...

माहे-रमज़ान इबादत, नेकियों और रौनक़ का महीना है। यह हिजरी कैलेंडर का नौवां महीना होता है। इस्लाम के मुताबिक़ अल्लाह ने अपने बंदों पर पांच चीज़ें फ़र्ज क़ी हैं, जिनमें कलमा, नमाज़, रोज़ा, हज और ज़कात शामिल है। रोज़े का फ़र्ज़ अदा करने का मौक़ा रमज़ान में आता है। कहा जाता है कि रमज़ान में हर नेकी का सवाब 70 नेकियों के बराबर होता है और इस महीने में इबादत करने पर 70 गुना सवाब हासिल होता है। इसी मुबारक माह में अल्लाह ने हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम पर क़ुरआन नाज़िल किया था। यह भी कहा जाता है कि इस महीने में अल्लाह शैतान को क़ैद कर देता है।

इबादत- रमज़ान से पहले मस्जिदों में रंग-रोग़न का काम पूरा कर लिया जाता है। मस्जिदों में शामियाने लग जाते हैं। रमज़ान का चांद देखने के साथ ही इशा की नमाज़ के बाद तरावीह पढ़ने का सिलसिला शुरू हो जाता है। रमज़ान के महीने में जमात के साथ क़ियामुल्लैल (रात को नमाज़ पढ़ना) करने को 'तरावीह' कहते हैं। इसका वक्त रात में इशा की नमाज़ के बाद फ़ज्र की नमाज़ से पहले तक है। हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने रमज़ान में क़ियामुल्लैल में बेहद दिलचस्पी ली। आपने फ़रमाया कि 'जिसने ईमान के साथ और अज्र व सवाब (पुण्य) हासिल करने की नीयत से रमज़ान में क़ियामुल्लैल किया, उसके पिछले सारे गुनाह माफ़ कर दिए जाएंगे।' 'उन्होंने फ़रमाया कि 'यह ऐसा महीना है कि इसका पहला हिस्सा अल्लाह की रहमत है, दरमियानी हिस्सा मग़फ़िरत है और आख़िरी हिस्सा जहन्नुम की आग से छुटकारा है।' रमज़ान के तीसरे हिस्से को अशरा भी कहा जाता है। आपने फ़रमाया कि 'रमज़ान के आख़िरी अशरे की ताक़ (विषम) रातों में लैलतुल क़द्र की तलाश करो।' लैलतुल क़द्र को शबे-क़द्र भी कहा जाता है। शबे-क़द्र के बारे में क़ुरआन में कहा गया है कि यह हज़ार रातों से बेहतर है, यानि इस रात में इबादत करने का सवाब एक हज़ार रातों की इबादत के बराबर है। मुसलमान रमज़ान की 21, 23, 25, 27 और 29 तारीख़ को पूरी रात इबादत करते हैं।

ख़ुशनूदी ख़ान कहती हैं- इस महीने में क़ुरआन नाज़िल हुआ, इसलिए रमज़ान बहुत ख़ास है। हर मुसलमान के लिए यह महीना मुक़द्दस और आला है। हमें इस महीने की अहमियत को समझते हुए ज़्यादा से ज़्यादा वक़्त इबादत में गुज़ारना चाहिए। वैसे भी रमज़ान में हर नेकी और इबादत का सवाब साल के दूसरे महीनों से ज़्यादा ही मिलता है। वे कहती हैं कि शबे-क़द्र को उनके ख़नदान के सभी लोग रातभर जागते हैं। मर्द इबादत के लिए मस्जिदों में चले जाते हैं और औरतें घर पर इबादत करती हैं।

वहीं, ज़ुबैर कहते हैं कि काम की वजह से पांचों वक़्त की नमाज़ नहीं हो पाती, लेकिन रमज़ान में उनकी कोशिश रहती है कि नमाज़ और रोज़ा क़ायम हो सके। दोस्तों के साथ मस्जिद में जाकर तरावीह पढ़ने की बात ही कुछ और है। इस महीने की रौनक़ों को देखकर कायनात की खूबसूरती का अहसास होता है। रमज़ान हमें नेकियां और इबादत करने का सबक़ देता है और हमें अल्लाह के क़रीब करता है।

ज़ायक़ा- माहे-रमज़ान में हर तरफ़ ज़ायक़ेदार व्यंजनों की भरमार रहती है। रमज़ान का ज़िक्र लज़ीज़ व्यंजनों के बग़ैर मुकम्मल नहीं होता। रमज़ान का ख़ास व्यंजन हैं फैनी, सेवइयां और खजला। सुबह सहरी के वक़्त फ़ैनी को दूध में भिगोकर खाया जाता है। इसी तरह सेवइयों को दूध और मावे के साथ पकाया जाता है। फिर इसमें चीनी और सूखे मेवे मिलाकर परोसा जाता है। इसके अलावा मीठी डबल रोटी भी सहरी का एक ख़ास व्यंजन है। ख़ास तरह की यह मीठी डबल रोटी अमूमन रमज़ान में ही ज़्यादा देखने को मिलती है।

इफ़्तार के पकवानों की फ़ेहरिस्त बहुत लंबी है। अमूमन रोज़ा खजूर के साथ खोला जाता है। दिनभर के रोज़े के बाद शिकंजी और तरह-तरह के शर्बत गले को तर करते हैं। फलों का चाट इफ़्तार के खाने का एक अहम हिस्सा है। ताज़े फलों की चाट रोज़े के बाद ताज़गी का अहसास तो कराती ही है, साथ ही यह पौष्टिक तत्वों से भी भरपूर होती है। इसके अलावा ज़ायक़ेदार पकौड़ियां और तले मसालेदार चने भी रोज़ेदारों की पसंद में शामिल हैं। खाने में बिरयानी, नहारी, क़ौरमा, क़ीमा, नरगिसी कोफ़्ते, सींक कबाब और गोश्त से बने दूसरे लज़ीज़ व्यंजन शामिल रहते हैं। इन्हें रोटी या नान के साथ खाया जाता है। रुमाली रोटी भी इनके ज़ायके को और बढ़ा देती है। इसके अलावा बाकरखानी भी रमज़ान में खूब खाई जाती है। यह एक बड़े बिस्कुट जैसी होती है और इसे क़ोरमे के साथ खाया जाता है। बिरयानी में हैदराबादी बिरयानी और मुरादाबादी बिरयानी का जवाब नहीं। मीठे में ज़र्दा, शाही टुकड़े, फिरनी और हलवा-परांठा दस्तरख़ान पर की शोभा बढ़ाते हैं।

ज़ीनत कहती हैं कि रमज़ान में यूं तो दिन में ज़्यादा काम नहीं होता, लेकिन सहरी के वक़्त और शाम को काम बढ़ जाता है। इफ़्तार के लिए खाना तो घर में ही तैयार होता है, लेकिन रोटियों की जगह हम बाहर से नान या रुमाली रोटियां मंगाना ज़्यादा पसंद करते हैं।

रमज़ान में रोटी बनाने वालों का काम बहुत ज़्यादा बढ़ जाता है। दिल्ली में जामा मस्जिद के पास रोटी बनाने वालों की कई दुकानें हैं। यहां तरह-तरह की रोटियां बनाई जाती हैं, जैसे रुमाली रोटी, नान, बेसनी रोटी आदि. अमूमन इस इलाके क़े होटल वाले भी इन्हीं से रोटियां मंगाते हैं।

हदीस- जो साहिबे-हैसियत हैं, रमज़ान में उनके घरों में लंबे-चौड़े दस्तरख़्वान लगते हैं। इफ़्तार और सहरी में लज़ीज़ चीज़ें हुआ करती हैं, लेकिन जो ग़रीब हैं, वो इन नेअमतों से महरूम रह जाते हैं। हमें चाहिए कि हम अपने उन रिश्तेदारों और पड़ौसियों के घर भी इफ़्तार और सहरी के लिए कुछ चीज़ें भेजें, जिनके दस्तरख़्वान कुशादा नहीं होते। ये हमारे हुज़ूर हज़रत मुहम?मद सल?लललाहू अलैहिवसल्लम का फ़रमान है।

आप (सल्लललाहू अलैहिवसल्लम) फ़रमाते हैं- रमज़ान सब्र का महीना है यानी रोज़ा रखने में कुछ तकलीफ़ हो, तो इस बर्दाश्त करें। फिर आपने कहा कि रमज़ान ग़म बांटने का महीना है यानी ग़रीबों के साथ अच्छा बर्ताव किया जाए। अगर दस चीज़ें अपने रोज़ा इफ़्तार के लिए लाए हैं, तो दो-चार चीज़ें ग़रीबों के लिए भी लाएं।

यानी अपने इफ़्तार और सहरी के खाने में ग़रीबों का भी ख़्याल रखें। अगर आपका पड़ौसी ग़रीब है, तो उसका ख़ासतौर पर ख़्याल रखें कि कहीं ऐसा न हो कि हम तो खूब पेट भर कर खा रहे हैं और हमारा पड़ौसी थोड़ा खाकर सो रहा है।

ख़रीददारी- रमज़ान में बाज़ार की रौनक़ को चार चांद लग जाते हैं। रमज़ान में दिल्ली के मीना बाज़ार की रौनक़ के तो क्या कहने। दुकानों पर चमचमाते ज़री वाले व अन्य वैरायटी के कपड़े, नक़्क़ाशी वाले पारंपरिक बर्तन और इत्र की महक के बीच ख़रीददारी करती औरतें, साथ में चहकते बच्चे। रमज़ान में तरह-तरह का नया सामान बाज़ार में आने लगता है। लोग रमज़ान में ही ईद की ख़रीददारी शुरू कर देते हैं। आधी रात तक बाज़ार सजते हैं। इस दौरान सबसे ज़्यादा कपड़ों की ख़रीददारी होती है। दर्ज़ियों का काम बढ़ जाता है। इसलिए लोग ख़ासकर महिलाएं ईद से पहले ही कपड़े सिलवा लेना चाहती हैं। अलविदा जुमे को भी नये कपड़े पहनकर नमाज़ पढ़ने का दस्तूर है। हर बार नये डिज़ाइनों के कपड़े बाज़ार में आते हैं। नेट, शिफ़ौन, जॉरजेट प र कुन्दन वर्क, सिक्वेंस वर्क, रेशम वर्क और मोतियों का काम महिलाओं को ख़ासा आकर्षित करता है। दिल्ली व अन्य शहरों के बाज़ारों में कोलकाता, सूरत और मुंबई के कपड़ों की धूम रहती है। इसके अलावा सदाबहार चिकन का काम भी खूब पसंद किया जाता है। पुरानी दिल्ली के कपड़ा व्यापारी शाकिर अली कहते हैं कि बाज़ार में जिस चीज़ का मांग बढ़ने लगती है हम उसे ही मंगवाना शुरू कर देते हैं। ईद के महीने में शादी-ब्याह भी ज़्यादा होते हैं। इसलिए माहे-रमज़ान में शादी की शॉपिंग भी जमकर होती है। शादियों में आज भी पारंपरिक पहनावे ग़रारे को ख़ासा पसंद किया जाता है।

चूड़ियों और मेहंदी के बिना ईद की ख़रीददारी अधूरी है। रंग-बिरंगी चूड़ियां सदियों से औरतों को लुभाती रही हैं। चूड़ियों के बग़ैर सिंगार पूरा नहीं होता। बाज़ार में तरह-तरह की चूड़ियों की बहार है, जिनमें कांच की चूड़ियां, लाख की चूड़ियां, सोने-चांदी की चूड़िया, और मेटल की चूड़ियां शामिल हैं। सोने की चूड़ियां तो अमीर तबक़े तक ही सीमित हैं। ख़ास बात यह भी है कि आज भी महिलाओं को पारंपरिक कांच की रंग-बिरंगी चूड़ियां ही ज़्यादा आकर्षित करती हैं। बाज़ार में कांच की नगों वाली चूड़ियों की भी ख़ासी मांग है। कॉलेज जाने वाली लड़कियां और कामकाजी महिलाएं मेटल और प्लास्टिक की चूड़ियां ज़्यादा पसंद करती हैं, क्योंकि यह कम आवाज़ करती हैं और टूटती भी नहीं हैं, जबकि कांच की नाज़ुक चूड़ियां ज़्यादा दिनों तक हाथ में नहीं टिक पातीं।

इसके अलावा मस्जिदों के पास लगने वाली हाटें भी रमज़ान की रौनक़ को और बढ़ा देती हैं। इत्र, लोबान और अगरबत्तियों से महक माहौल को सुगंधित कर देती है। इत्र जन्नतुल-फ़िरदौस, बेला, गुलाब, चमेली और हिना का खूब पसंद किया जाता है। रमज़ान में मिस्वाक से दांत साफ़ करना सुन्नत माना जाता है। इसलिए इसकी मांग भी बढ़ जाती है। रमज़ान में टोपियों की बिक्री भी खूब होती है। पहले लोग लखनवी दुपल्ली टोपी ज्यादा पसंद करते थे, लेकिन अब टोपियों की नई वैरायटी पेश की जा रही हैं। अब तो लोग विभिन्न राज्यों की संस्कृतियों से सराबोर पारंपरिक टोपी भी पसंद कर रहे हैं। इसके अलावा अरबी रुमाल भी खूब बिक रहे हैं। रमज़ान के मौक़े पर इस्लामी साहित्य, तक़रीरों, नअत, हम्द, क़व्वालियों की कैसेट सीटी और डीवीडी की मांग बढ़ जाती है।

यूं तो दुनियाभर में ख़ासकर इस्लामी देशों में रमज़ान बहुत अक़ीदत के साथ मनाया जाता है, लेकिन हिन्दुस्तान की बात ही कुछ और है। विभिन्न संस्कृतियों के देश भारत में मुसलमानों के अलावा ग़ैर मुस्लिम लोग भी रोज़े रखते हैं। कंवर सिंह का कहना है कि वे पिछले कई सालों से रमज़ान में रोज़े रखते आ रहे हैं। रमज़ान के दौरान वे सुबह सूरज निकलने के बाद से सूरज छुपने तक कुछ नहीं खाते। उन्हें विश्वास है कि अल्लाह उनके रोज़ों को ज़रूर क़ुबूल करेगा। भारत देश की यही महानता है कि यहां सभी धर्मों के लोग मिलजुल कर त्योहार मनाते हैं। यही जज़्बात गंगा-जमुनी तहज़ीब को बरक़रार रखते हैं।

शनि भक्तों के लिए विशेष फलदायी है शनि अमावस्या

शनि अमावस्या शनि भक्तों के लिए विशेष फलदायी मानी जाती है। शनि अमावस्या को न्याय के देवता शनिदेव का दिन माना गया है। जिन जातकों की जन्म कुंडली या राशियों पर शनि की साढ़ेसाती और ढैया का असर होता है, उनके लिये यह महत्वपूर्ण अवसर है, क्योंकि शनि अमावस्या पर शनि देव की पूजा-अर्चना करने पर शांति व अच्छे भाग्य की प्राप्ति होती है। ज्येष्ठ मास में दान-पुण्य के लिए ये सबसे अच्छा दिन माना जाता है। शनि मंदिरों में इस दिन दर्शन-पूजन से शनि पीड़ा से मुक्ति मिलेगी।

शनि भगवान सूर्य तथा छाया के पुत्र हैं। मृत्यु के देवता यमराज शनिदेव के बड़े भाई हैं। आकाश मंडल में सौर परिवार के जो 9 ग्रह हैं, उनमें यह दूसरा सबसे बड़ा ग्रह है। शनिदेव यदि रुष्ट हो जाएं तो राजा को रंक बना देते हैं और यदि प्रसन्न हो जाएं तो आम आदमी को खास आदमी बना देते हैं। पुराणों के मुताबिक शनिदेव हनुमान भक्तों पर खास प्रसन्न रहते हैं और उनकी मदद करते हैं क्योंकि एक बार हनुमानजी ने शनिदेव को रावण से बचाया था। शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए शनिवार को उनका विधिवत पूजन करना चाहिए। मान्यता है कि शनिदेव को सरसों का तेल चढ़ाया जाना चाहिए, इससे शनिदेव प्रसन्न होते हैं। शनिवार के दिन पीपल को जल देने से भी शनिदेव को प्रसन्न किया जा सकता है।

शनिदेव के बारे में मान्यता है कि वह जब किसी राशि में प्रवेश करते हैं तो ढाई वर्ष तक उसमें रहते हैं। जन्म राशि से जब शनि चौथे या आठवें हो तो अढैया कहते हैं जोकि काफी कष्टप्रद होता है। जब शनिदेव बारहवें स्थान पर आते हैं तो व्यय अधिक होता है। माना जाता है कि जीवन में शनिदेव एक बार या किसी-किसी के जीवन में चार बार आते हैं। प्रथम बार तो इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता लेकिन दूसरी बार में यह नींव हिला देते हैं और तीसरी बार भवन को उखाड़ फेंकते हैं तथा चौथी बार अच्छे खासे को बेघर कर देते हैं।

शनि की क्रूरता के संबंध में एक कथा भी प्रचलित है जो इस प्रकार है-

शनिदेव के वयस्क होने पर इनके पिता ने चित्ररथ की कन्या से इनका विवाह कर दिया। इनकी पत्नी सती साध्वी और परम तेजस्विनी थी। एक रात वह ऋतु स्नान करके पुत्र प्राप्ति की इच्छा से इनके पास पहुंची, पर श्रीकृष्ण के परम भक्त शनिदेव भगवान के ध्यान में निमग्न थे। इन्हें बाह्य संसार की जैसे कोई सुध ही नहीं थी। पत्नी प्रतीक्षा करके थक गयी। उसका ऋतुकाल निष्फल हो गया। इसलिये उसने क्रुद्ध होकर शनिदेव को शाप दे दिया कि आज से जिसे तुम देख लोगे, वह नष्ट हो जायगा। ध्यान टूटने पर शनिदेव ने अपनी पत्नी को मनाया। उन्होंने अपनी पत्नी की इच्छा तो पूरी कर दी लेकिन चूंकि उनकी पत्नी पतिव्रता एवं धार्मिक महिला हैं, इसलिए उनका शाप निष्फल नहीं जा सकता। कहा जाता है कि तभी से शनिदेव किसी पर भी दृष्टिपात करने से बचते हैं।

ज्योतिष में शनि को ठंडा ग्रह माना गया है, जो बीमारी, शोक और आलस्य का कारक है। लेकिन यदि शनि शुभ हो तो वह कर्म की दशा को लाभ की ओर मोड़ने वाला और ध्यान व मोक्ष प्रदान करने वाला है। इनकी शान्ति के लिये मृत्युंजय जप, नीलम-धारण तथा ब्राह्मण को तिल, उड़द, भैंस, लोहा, तेल, काला वस्त्र, नीलम, काली गौ, जूता, कस्तूरी और सुवर्ण का दान देना चाहिये। शनिदेव को प्रसन्न करना चाहते हैं तो 'ओम शं शनैश्चराय नमः' मंत्र का जाप करें। जप का समय सन्ध्या काल होना चाहिये।

ज्योतिषियों के मुताबिक इस समय तुला, वृश्चिक एवं धनु राशि वालों पर शनि की साढ़े साती व सिंह, मेष राशि पर ढय्या चल रही है। ये पांच राशि वाले विशेष पूजा से शनि को खुश कर सकते हैं। इस दिन शनि मंदिरों में दर्शन कर, तेल चढ़ाएं, गरीबों को वस्त्र, कंबल और छतरी आदि दान करें। शनि देव को प्रसन्न करने के लिए ज्योतिषशास्त्र में कुछ मंत्रों का भी उल्लेख है। जैसे शनि वैदिक मंत्र 'ओम शं नो देवीरभिष्टय आपो भवन्तु पीतये। शं योरभि स्त्रवन्तु नः।', शनि का पौराणिक मंत्र 'ओम नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम। छायामार्तण्डसंभुतं नमामि शनैश्चरम।' मान्यता है कि इन मंत्रों का नियमित कम से कम 108 बार जप करने से शनि के प्रकोप में कमी आती है।

शनि अमावस्या पर शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए और भी कुछ उपाय किये जा सकते हैं जैसे- काले तिल, काले कम्बल, काला छाता, तेल आदि का दान करना सबसे उत्तम माना जाता है। शनि अमावस्या के दिन शनि स्त्रोत का 11 बार पाठ करने से कुंडली में मौजूद अशुभ ग्रहों को असर तुरंत दूर होता है। इस दिन शनि के मंत्र ओम प्रां प्रीं प्रौं स: शनैश्चराय नम: का जाप करना फलदायी होता है। इस दिन पितरों का श्राद्ध भी अवश्य करना चाहिए, शनि अमावस्या पर सुंदरकांड, हनुमान चालीसा, बजरंग बाण, हनुमान अष्टक का पाठ करने से भी शांति मिलती है।

समस्या पैदा करने वाले नहीं न्यायप्रधान देवता हैं शनि

आमतौर पर धारणा है कि शनि समस्या प्रदान करने वाले देवता हैं जबकि वास्तविकता यह है कि शनि न्यायप्रधान देवता हैं। शनि सभी के साथ न्याय करते हैं। भारतीय समाज में शनि को लेकर बहुत-सी भ्रातियां हैं। शनि की साढ़े साती को लेकर विशेष उत्सुकता व भय का वातावरण रहता है। आजकल ज्योतिष की विभिन्न पत्रिकाओं की भरमार है। टीवी चैनलों पर भी ज्योतिष आधारित बहुत से कार्यक्रम आते रहते हैं। जिनमें से अधिकांश ज्योतिषी केवल और केवल शनि को लेकर भय का वातावरण ही पैदा करते हैं। वर्तमान में भारत में दो मंदिरों की विशेष बाढ़ आयी है। एक तो साईंबाबा की और दूसरा शनि मंदिरों की। हर शनिवार को शनि मंदिरों में भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ता है। अधिकांश मंदिरों में देखा गया है कि टीवी पर ज्योतिषियों द्वारा शनि के प्रभाव से होने वाले संकटों से बचाव के लिए जो उपाय बताये जाते हैं। भक्तगण वही उपाय मंदिरों में करने के लिए पहुंचते हैं। जिसमें कुछ को तो अपनी राशि आदि का ज्ञान होता भी है लेकिन कुछ लोग अपनी नाम राशि से ही उपाय करने के लिए या फिर भय के संदेह के कारण भी शनि मंदिरों में जाते हैं। वैसे शनि कल्याणकारी और परोपकारी देवता भी हैं। शनि वास्तविक दण्डाधिकारी भी हैं। ज्योतिष के अनुसार यदि आपकी कुण्डली में शनि अशुभ गोचर में आ गये हैं तो सर्वाधिक कष्ट उठाना पड़ता है। भारत में विद्वानों के बीच शनि की पूजा को लेकर विवाद भी छेड़े गये तथा उन पर विभिन्न माध्यमों में गर्मागर्म बहसें भी हुयी हैं।

शनि के बारे में लिखा व कहा जा चुका है कि यदि हम मनसा-वाचा-कर्मणा शुचिता एवं नैसर्गिक न्याय के सिद्धान्तों का पालन करें तो शनि के आधे दुष्प्रभाव कम हो जाते हैं। जब कुण्डली में शनि विपरीत हो जायें तब अपने आप को बेहद सावधान कर लेना चाहिये। हमें सतर्क हो जाना चाहिये और सत्कर्मों की ओर मुड़ जाना चाहिये। यदि शनि के दुष्प्रभाव के दौर में हम अपना आचरण शुद्ध रखते हैं तो शनि अच्छा असर डालता है। यदि शनि के बुरे प्रभाव के समय में कोई भी गलत कार्य किया जाता है तो उसके बुरे परिणाम ही भोगने पड़ते हैं। सतमज के हरवर्ग को शनि के बुरे प्रभाव से बचने के लिए सकारात्मक पहल व व्यक्तित्व को ही अपनाना चाहिये। यदि देश के राजा और सरकारें तथा फिर राजनीतिज्ञ इस दौर में अच्छा से अच्छा प्रयास करते हुए सच्चे दिल से मानवता की सेवा करते हैं और निर्णय लेते हैं तो उन्हें भी अच्छा ही संदेश मिलता है। यदि सत्ताधारी दल केवल सत्ता से चिपके रहने के लिए फैसले लेते हैं तो फिर हानि होगी। शनि देवता का यह प्रभाव हर मनुष्य के जीवन में एक बार आता अवश्य है। शनि इतने अधिक न्याय प्रिय हैं कि वह राजा को रंक और रंक को राजा बनाने में देर नहीं लगाते। शनि भगवान अपराधी को किसी न किसी प्रकार से दण्ड अवश्य देते हैं। वहीं निष्पाप व निष्कलंक धर्मावलम्बी को पुरस्कार भी देते है।

पुराणों में शनि को पीतनेत्र, अधोमुखी-दृष्टिवान, कृश देह, लम्बी देहयष्टि, सघन शिरायुक्त, आलसी, कृष्णवर्ण, स्नायु सबल, निर्दय, बुद्धिहीन, मोटे नाखून और दांतों से युक्त, मलिनवेश, कान्तिविहीन, अपवित्र, तमोगुणी, क्रोधी आदि माना गया है। पुराणों के अनुसार शनि पश्चिम दिशा में निवास करते हैं। इस प्रकार से गुजरात एवं काठियावाड़ पर शनि का आधिपत्य माना जाता है। शनि का वाहन उनके स्वभाव के अनुरूप गिद्ध है। शनि को महर्षि कश्यप की वंश परम्परा में शामिल किया गया है। पुराणों में शनि जन्म को लेकर कथा आती है कि भगवान सूर्य ने अपनी हर संतान के लिए अलग-अलग लोकों की स्थापना की।